शब्दबाणों का प्रहार
नागपुर, शुक्रवार 4 अप्रैल 2025
@ www.rashtrabaan.in
। पृष्ठ :8 । वर्ष :2 । अंक : 160 । मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय दैनिक

वक्फ बिल पर राज्यसभा में 'रार'

नई दिल्ली. लोकसभा ने बुधवार रात करीब 1.56 बजे वक्फ संशोधन विधेयक बहुमत से पारित कर दिया. विधेयक के पक्ष में 288, जबकि विरोध में 232 मत पड़े. विधेयक पर लोकसभा में 12 घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई. वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पास होने के बाद गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया गया. दोपहर 1 बजे से चर्चा शुरू हुई. नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मेरी किस्मत अच्छी है कि मुझे सुनने के लिए गृहमंत्री भी है, लेकिन गुफ्तगु कर रहे हैं. उन्होंने कहा- वक्फ बिल के बारे में सारे देश में ऐसा माहौल बना है कि माइनॉरिटीज को तंग करने के लिए ये बिल लाया गया है. ऐसा कोई बहुत से बदलाव अगर 1995 के एक्ट से होते तो हम मान लेते. जो वहां है वो इसमें डाल दिया. जो नहीं डालना चाहिए वो भी डाल दिया. बीजू जनता दल (BJD) ने वक्फ बिल पर कहा है कि पार्टी ने अपने सांसदों को कोई व्हिप जारी नहीं किया है. सांसद अपनी अंतरात्मा की सुने और वक्फ बिल पर फैसला लें. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने वक्फ बिल पर विपक्ष के रुख को लेकर निशाना साधा. नड्डा ने कहा- हमने कांग्रेस नेतृत्व वाली UPA सरकार की तुलना में वक्फ बिल को लेकर कहीं ज्यादा गंभीरता दिखाई. भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा- वक्फ ने एक बार ताजमहल पर भी दावा कर दिया था. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी.

'2013 से माफिया खा रहे थे वक्फ संपत्ति की मलाई'

राज्यसभा में नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि 2013 से 2025 तक वक्फ संपत्ति का जमकर दुरुपयोग हुआ, माफिया ने मलाई खाई. कांग्रेस पर तंज कसा कि उसे मलाईखोरों से दूर रहना चाहिए, हालांकि आदतन यह मुश्किल है. वहीं, सांसद डा. राधा मोहन दास अग्रवाल ने तीखे तेवर दिखाते हुए आरोप लगाया कि फिल्मी गुंडों की तरह वक्फ के नाम पर संपत्तियों को हड़पा गया. वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि क्या वक्फ की संपत्ति का दुरुपयोग नहीं रुकना चाहिए? क्या वक्फ बोर्ड जवाबदेह नहीं होना चाहिए? नड्डा ने विपक्ष को सलाह दी कि वोटबैंक की राजनीति से बाहर निकलना चाहिए. सब जानते हैं कि पिछले 70 साल में किन लोगों ने मुस्लिमों को अलग रखा? किसने उन्हें डरा कर रखा?

वक्फ बिल पर अल्पसंख्यकों को तंग करने के लिए- खड़गे

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने वक्फ बिल पर कहा कि अल्पसंख्यकों को तंग करने के लिए ये बिल लाया गया है. 1995 के एक्ट में जो है, उसे डाल दिए और जो नहीं डालना चाहिए, वो भी डाल दिए. इस बिल में कई खामियां हैं. उधर से जो भी वक्ता बोलते हैं, पसमांदा-पसमांदा, महिला-महिला कर रहे हैं. ठीक है. उन्होंने पिछले वित्तीय वर्षों में अल्पसंख्यक मंत्रालय के बजट आवंटन और खर्च के आंकड़े भी सदन में गिनाए और कहा कि एक तो 4 हजार से घटाते घटाते 2800 करोड़ पर आए. एक तरफ बजट काट रहे हो और दूसरी तरफ आवंटित बजट को भी खर्च नहीं कर रहे. अल्पसंख्यकों को सुविधाएं देने के लिए आप तैयार नहीं हैं. उनकी पांच स्कीम को बंद कर दिए. योजनाएं बंद कर रहे हो और कहते हो पसमांदा के लिए, महिलाओं के लिए.

लालू जी तब बच्चे तो नहीं थे... मनोज झा के सवाल पर शाह का करारा जवाब

राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह और आरजेडी सांसद मनोज झा के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली. विवाद तब शुरू हुआ जब मनोज झा ने गृहमंत्री का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने लालू यादव के जिस वीडियो को कोट किया है, वह सही नहीं है. एडिटेड वीडियो कोट किया है. इस पर गृहमंत्री अमित शाह ने मनोज झा के आरोपों का तीखा जवाब देते हुए कहा, यह कोट लालू जी का ही है, और उस वक्त लालू जी कोई बच्चे नहीं थे.दरअसल, चर्चा के दौरान जेडीयू के सदस्य संजय कुमार झा ने कहा, एक दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने लालू यादव का एक वीडियो कोट किया. उन्हीं का लोकसभा में बयान है. कैसे उन्होंने कहा कि एक कठोर कानून लाने की जरूरत है.

जो उम्मां का ख्वाब पाले थे, उनके ख्वाब पर फिरा पानी- सुधांशु त्रिवेदी

बीजेपी सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जेपीसी के प्रमुख दूसरे सदन के सदस्य जगदंबिका पाल जी हों या किरेन रिजिजू जी हों या प्रधानमंत्री मोदी जी, सबने इबादत की तरह काम किया है. कहावत कही जाती है कि नया मुल्ला प्याज ज्यादा खाता है लेकिन यहां तो पुराना मुल्ला प्याज बहुत खा रहा था और इतना खा रहा था कि गरीब मुसलमान की आंखों से आंसू निकल रहे थे. इतना ही प्यार है तो ये शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड अलग क्यों है भाई. उन्होंने कई केस का उल्लेख किया और कहा कि ताजमहल पर भी दावा कर दिया गया. सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया कि शाहजहां के जमाने का लिखा हुआ लेकर आइए तब मानेंगे कि दावा बनता है या नहीं. हमने ईमानदारी से मुस्लिम समाज के कल्याण के लिए काम किया है. ये मुकाबला शराफत अली और शरारत खान के बीच मुकाबला है. इन जरूरतमंद मुस्लिमों की लड़ाई के लिए गरीबों के मन की कसक और कट्टरपंथी की ठसक के बीच हमारी सरकार ने गरीबों का साथ दिया है.

ये कागज भी नहीं दिखाएंगे और ये भी कहेंगे कि यह प्रॉपर्टी हमारी है- मेधा कुलकर्णी

महाराष्ट्र से बीजेपी की राज्यसभा सांसद डॉक्टर मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा कि ये कागज भी नहीं दिखाएंगे और ये भी कहेंगे कि यह प्रॉपर्टी हमारी है. यूपी की बात करें तो लोकसभा चुनाव के समय एक डॉक्यूमेंट आया था, जिसमें पीएम आवास योजना के ज्यादातर लाभार्थी हैं. इसका लाभार्थी कोई कैसे बनता है, ऐसे ही न कि अपनी प्रॉपर्टी नहीं है. फिर वहां इतनी प्रॉपर्टी कैसे बनी. यूपी में ऐसी 61 फीसदी प्रॉपर्टी ऐसी हैं जिनका एरिया जीरो मार्क किया गया है. वक्फ डीड कितने हैं, दो लाख 32 हजार में से केवल चार हजार 345. क्यों भाई, कोई माता-पिता भी अपने बच्चे को गिफ्ट करते हैं तो डीड करते हैं.

एआईएडीएमके ने किया वक्फ बिल का विरोध

एआईएडीएमके सांसद डॉक्टर थंबी दुरई ने वक्फ बिल का विरोध किया है. राज्यसभा में डॉक्टर थंबी दुरई ने कहा कि हमारे राज्य के साथ ही आसपास बहुत मुस्लिम आबादी है, मुस्लिम नेता हैं. उनकी चिंताओं का ध्यान रखें.

कुआं बना 'काल'

कुएं में जहरीली गैस से 8 की मौत

खंडवा. खंडवा में 8 लोग एक कुएं में डूब गए. सभी की मौत हो गई. करीब 3 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी 8 शव कुएं से बाहर निकाल लिए गए हैं. घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया.ये घटना गुरुवार शाम को जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव की है. बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन को लेकर अर्जुन नाम का शख्स कुएं की सफाई करने उतरा, जो जहरीली गैस के कारण बेसुध होकर कुएं में जमा दलदल में डूब गया. उसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक 7 और लोग कुएं में उतरे. ये सब भी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से डूब गए और इनकी जान चली गई.

कुएं से नहीं निकले तो प्रशासन को बुलाया बताया जा रहा है कि गुरुवार को दोपहर के वक्त 8 लोग कुएं में डूबे थे, शाम तक बाहर नहीं निकले. जिसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया. साथ ही पुलिस और प्रशासन को भी सूचित किया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम के साथ ही SDERF का 15 सदस्यीय दल भी मौके पर पहुंच गया. रेस्क्यू टीम रस्सी और जाली लेकर कुएं में उतरी और शवों को बाहर निकाला. जहरीली गैस से दम घुटने से मौत की आशंका प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिस कुएं की सफाई के लिए 8 लोग नीचे उतरे थे, उस कुएं के किनारे एक नाली निकलती है, इस नाली के जरिए गांव का गंदा पानी कुएं में जाता है. जिससे कुआं दलदल में तब्दील हो गया है. इसी दलदल की सफाई के लिए ग्रामीण कुएं में उतरे थे. आशंका जताई जा रही है कि गंदगी के कारण कुएं में जहरीली गैस बन गई, जिससे इन लोगों का दम घुटने लगा.

मृतक के परिवार को 4-4 लाख का मुआवजा

खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने मृतकों के परिवार वालों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की बात कहीं हैं. कलेक्टर ने कहा कि इस मामले में कल ही प्रकरण बना दिए जाएंगे.

सोलापुर में भूकंप के झटके, 5 किमी था भूकंप का केंद्र

सोलापुर. महाराष्ट्र के सोलापुर में आज गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.6 मापी गई है. भूकंप का केन्द्र 5 किलोमीटर की गहराई पर था. सुबह करीब 11.22 बजे भूकंप के झटके लगे.नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार कुछ

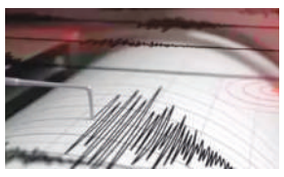

हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, लेकिन किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान होने की खबर नहीं है. आगे की जानकारी का इंतजार है. उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में ज्यादा खतरनाक होते हैं, क्योंकि वे पृथ्वी की सतह के नजदीक ज्यादा ऊर्जा छोड़ते हैं.इससे जमीन ज्यादा हिलती है और संरचनाओं और हताहतों को ज्यादा नुकसान होता है, जबकि गहरे भूकंप सतह पर आने पर ऊर्जा खो देते हैं.

इससे पहले 1 अप्रैल को नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार, मंगलवार शाम को लद्दाख के लेह क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था .नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि 28 मार्च को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिससे व्यापक विनाश हुआ था. CNN की रिपोर्ट के अनुसार थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में इमारतें ढह गईं और पड़ोसी चीनी प्रांतों में भी झटके महसूस किए गए .अल जजीरा ने देश की टेलीविजन रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि म्यांमार में अब तक 3,000 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, क्योंकि सेना ने प्राकृतिक आपदा के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की है. अल जजीरा ने बताया कि राहत कार्य को आसान बनाने के लिए यह संघर्ष विराम 22 अप्रैल तक जारी रहेगा.

अब सभी के पास होगा सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति का ब्योरा

जानकारी वेबसाइट पर अपलोड होगी : CJI संजीव खन्ना का बड़ा आदेश

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि शीर्ष न्यायालय के सभी 33 जज अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे. न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी चर्चाओं के बीच लोगों के विश्वास को बरकरार रखने के लिए यह फैसला लिया गया है. सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनी संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक

करने पर सहमति जताई है. पूर्ण न्यायालय की बैठक में ये फैसला लिया गया है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश अपनी संपत्ति का डेटा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे.

सीजेआई भी पब्लिक करेंगे अपनी संपत्ति का ब्योरा

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी. बता दें, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित तीस न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा प्रस्तुत की है. गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के सभी जज अपनी संपत्ति का ब्योरा पहले ही द चुके हैं, लेकिन इन जानकारियों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है.

अमेरिका ने भारत पर लगाया 26% टैरिफ

मोदी अच्छे दोस्त, लेकिन टैरिफ पर व्यवहार ठीक नहीं

वॉशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार देर रात भारत पर 26% टैरिफ (रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ) लगाने का ऐलान किया. ट्रम्प ने कहा- भारत बहुत सख्त है. मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं. ट्रम्प ने कहा,भारत अमेरिका पर 52% तक टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका भारत पर 26% टैरिफ लगाएगा. अन्य देश हमसे जितना टैरिफ वसूल रहे, हम उनसे लगभग आधे टैरिफ लेंगे. इसलिए टैरिफ पूरी तरह से रेसिप्रोकल नहीं होंगे. मैं ऐसा कर सकता था, लेकिन यह बहुत से देशों के लिए कठिन होता. हम ऐसा नहीं करना चाहते थे. भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा. अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है. इसे लेकर भारतीय अधिकारियों का कहना है कि वे ट्रम्प के लगाए टैरिफ का आकलन कर रहे हैं. भारत का फोकस जवाबी टैरिफ लगाने पर नहीं, बल्कि बातचीत के जरिए अमेरिका की चिंताओं को दूर करने पर है.

9 अप्रैल से लागू होंगे रेसिप्रोकल टैरिफ

अमेरिका में आने वाले सभी सामान पर 10% बेसलाइन (न्यूनतम) टैरिफ लगेगा. बेसलाइन टैरिफ 5 अप्रैल को और रेसिप्रोकल टैरिफ 9 अप्रैल को रात 12 बजे के बाद लागू होंगे. बेसलाइन टैरिफ व्यापार के सामान्य नियमों के तहत आयात पर लगाया जाता है, जबकि रेसिप्रोकल टैरिफ किसी अन्य देश के टैरिफ के जवाब में लगाया जाता है.

यूरोपीय बाजारों में हाहाकार

आखिर वही हुआ जिसकी आशंका जताई जा रही थी. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा कर दी है. उन्होंने भारत समेत कई देशों पर टैरिफ लगा दिया है. ट्रंप ने भारत पर भारत पर 26% टैरिफ लगाने की घोषणा की है.

फास्ट ट्रैक

तेलंगाना में पेड़ों की कटाई पर SC सख्त

नई दिल्ली. तेलंगाना के कांचा गाचीबोवली में पेड़ों की कटाई के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव को पक्षकार बनाया है. कोर्ट ने अगले आदेश तक इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगा दी है. अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर निर्देशों का पालन नहीं किया गया, तो राज्य के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने पेड़ों की कटाई को लेकर सरकार से तीखे सवाल किए हैं. अदालत ने पूछा कि वनों की कटाई को शुरू करने की इतनी आपातकालीन आवश्यकता क्यों थी? हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार द्वारा भेजी गई तस्वीरें इस क्षेत्र की भयावह स्थिति को दिखाती हैं. रिपोर्ट से स्पष्ट है कि बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं और भारी मशीनरी तैनात की गई है. रिपोर्ट में पक्षियों और मोरों की मौजूदगी का उल्लेख है.

बंगाल में 25,753 शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश बरकरार

सिलेक्शन प्रोसेस गलत : सुको

ममता बोलीं- व्यक्तिगत तौर पर फैसला स्वीकार नहीं...

कोलकाता. पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में ममता सरकार को बड़ा झटका लगा है. 25,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है. CJI संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में ये फैसला सुनाया है. कोर्ट का ये फैसला 25 हज़ार शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों को लेकर आया है. शिक्षक भर्ती मामले में न सिर्फ अपना फैसला सुनाया बल्कि इस भर्ती को टेंटिड और दूषित भी करार दिया.करीब 25 हज़ार शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों की नौकरी रद्द करने के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की.

व्यक्तिगत तौर पर फैसला स्वीकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ देर बाद ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान आया. वह व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार नहीं करती हैं, लेकिन उनकी सरकार इसे लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी. उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या विपक्षी भाजपा और सीपीएम चाहते हैं कि बंगाल की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाए.

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की बड़ी बातें

- 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कोअमान्य करार देते हुए उनकी चयन प्रक्रिया को ''त्रुटिपूर्ण" करार दिया.
- CJI संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने नियुक्तियों को रद्द करने संबंधी कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल 2024 के फैसले को बरकरार रखा.
- फैसला सुनाते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जिन कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द की गई हैं, उन्हें अपना वेतन और अन्य भत्ते वापस करने की जरूरत नहीं है.
- सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को नए सिरे से चयन प्रक्रिया शुरू करने और इसे तीन महीने के भीतर पूरा करने का भी आदेश दिया.
- हालांकि, न्यायालय ने दिव्यांग कर्मचारियों को मानवीय आधार पर छूट देते हुए कहा कि वे नौकरी में बने रहेंगे.
- पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जांच संबंधी उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए चार अप्रैल की तारीख तय की.
- सुप्रीम कोर्ट ने 10 फरवरी को मामले से संबंधित कई याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था.

अंतरिक्ष छत्रपति महाराज ने किसी मस्जिद पर हमला नहीं किया

शिवाजी महाराज 100% सेकुलर शासक थे: नितिन गडकरी

मुंबई. केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को 100 फीसदी सेकुलर शासक बताया है. उन्होंने कहा कि महाराज शिवाजी धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को मानने वाले शासक थे. शिवाजी महाराज पर एक पुस्तक का विमोचन करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीयों के दिल में उनका खास स्थान है. उन्होंने कहा कि वह मेरे और मेरे पैरेंट्स के लिए भी खास स्थान रखते हैं. उन्होंने कहा कि आज सेकुलर शब्द बहुत ज्यादा प्रचलन में है. लेकिन इंग्लिश डिक्शनरी में जो सेकुलर शब्द है, उसका अर्थ पंथनिरपेक्षता से नहीं है. उन्होंने कहा कि सेकुलर का अर्थ यह है कि सभी पंथों का एक समान सम्मान किया जाए. सेकुलर का यही अर्थ है. छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपना जीवन लोककल्याण को समर्पित किया और सेकुलर मूल्यों के साथ काम करते रहे. महाराष्ट्र सदन में नितिन गडकरी ने कहा, 'महाराज शिवाजी ने अपनी जिंदगी में कई युद्ध लड़े, लेकिन उन्होंने कभी किसी मस्जिद पर अटैक नहीं किया. उन्होंने हमेशा महिलाओं का सम्मान किया. वह जनता के प्रति समर्पित शासक थे. उनका प्रशासन सख्त था और जनता के लिए हितैषी था.' उन्होंने प्रतापगढ़

की लड़ाई का जिक्र किया, जो 10 नवंबर, 1659 को हुई थी. उन्होंने कहा कि यह युद्ध शिवाजी महाराज और बीजापुर के सैनिकों के बीच हुआ था,

थरूर ने बताया- कुरान पर क्या था शिवाजी का आदेश

इस मौके पर कांग्रेस के सांसद शशि थरूर भी मौजूद थे. उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि नितिन गडकरी ने शिवाजी महाराज के सेकुलर मूल्यों की बात की. शिवाजी महाराज के प्रशंसक भी उनकी इस खूबी की बात कम करते हैं. शशि थरूर ने कहा कि शिवाजी महाराज ने बहुत सी लड़ाइयां लड़ीं. फिर भी वह सेकुलर मूल्यों पर कायम रहे. उन्होंने अपने सैनिकों को सख्त निर्देश दिया था कि यदि उन्हें कभी कुरान मिले तो उसे सम्मान से अपने पास रखें. उसे पूरा सम्मान दें, जब तक कि कोई मुस्लिम उन्हें न मिले. उन्होंने कहा कि ऐसे ही शिवाजी के मूल्य थे. हम सभी लोग जानते हैं कि महाराज शिवाजी महिलाओं का कितना सम्मान करते थे. उनकी सेना में हर जाति और समुदाय के लोग शामिल थे. दलित से लेकर ब्राह्मण तक और हिंदू से लेकर मुसलमान तक हर समुदाय हिस्सा था.

संपादकीय

वैश्विक प्रतिभाओं को लुभा सकते हैं बड़े शहर

वर्तमान परिस्थितियों में भारत के पास ब्रेन ड्रेन यानी प्रतिभा पलायन के रुझान को पलटने का स्वर्णिम अवसर है. विदेश में रहने वाले बहुत से स्किल्ड प्रोफेशनल विभिन्न कारणों से स्वदेश वापसी के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं. हालांकि इसे संभव बनाने के लिए केवल आर्थिक अवसर ही नहीं बल्कि जीवन स्तर के पहलू भी निर्णायक होंगे. बीते कुछ दशकों में भारत के श्रेष्ठ प्रतिभाशाली लोगों ने बेहतर अवसरों की तलाश में विदेश जाने को वरीयता दी है. विशेष रूप से अमेरिका इन प्रतिभाओं की प्राथमिकता में होता है.चूंकि अमेरिका में विदेशियों की आवक पर अंकुश के उपाय शुरू हो गए हैं, इसलिए भारत को इन लोगों के लिए देश में ही उचित अवसर तैयार कर इस रुझान को पलटने का अनूठा मौका है. अमेरिका में एच1वी वीजा और ग्रीन कार्ड की राह कठिन करने की तैयारी हो रही है तो विदेश में बसे भारतीय भी स्वदेश वापसी की संभावनाएं तलाश रहे हैं, बशर्ते कि उन्हें यहां अनुकूल आर्थिक अवसरों के साथ ही एक अच्छा रहन-सहन मिल सके. ऐसा नहीं है कि भारत में अनुकूल आर्थिक अवसर नहीं हैं.देश में पहले की तुलना में कहीं अधिक आकर्षक मौके बने हैं.अपनी किताब 'इंडिया@100' में मैंने विस्तार से इसका उल्लेख भी किया है कि डालर के लिहाज से भारत की जीडीपी में सालाना 12 प्रतिशत तक की दर से वृद्धि करने की संभावनाएं हैं.किसी अर्थव्यवस्था में पेशेवरों का वेतन औसत जीडीपी विकास दर की तुलना में 25 प्रतिशत की दर से बढ़ता है.इसका अर्थ है कि जीडीपी 12 प्रतिशत बढ़ेगी तो पेशेवरों का वेतन 15 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ेगा. इस 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के लिहाज से देखें तो हर पांच साल में वेतन दोगुना हो जाएगा.औसत 40 साल के करियर में ऐसी बढ़ोतरी आठ बार मानकर चलें तो भारत में अपना करियर शुरू करने वाले पेशेवरों का वेतन डालर के संदर्भ में करीब 250 गुना हो जाएगा.इसके उलट अमेरिका की स्थिति देखें तो वहां जीडीपी विकास दर (5 प्रतिशत) कम होने से पेशेवरों का वेतन करीब 6.25 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा.वहां 6.25 प्रतिशत की रफ्तार से वेतन में हर 12 साल पर ही वह दोगुना हो पाएगा. यानी 40 साल के करियर में करीब तीन बार ही तनख्वाह दोगुनी होगी और समूचे करियर में केवल 10 गुना बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा.इस तरह देखा जाए तो अगर भारत में शुरुआती तनख्वाह डालर के लिहाज से अमेरिका की चौथाई भी हो, तब भी अपने पूरे करियर में भारत में कमाने वाला पेशेवर डालर के हिसाब से अमेरिका से कहीं अधिक कमाई करने में सक्षम होगा.इसके अतिरिक्त भारत में अपना काम और बच्चों की परवरिश पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है, क्योंकि घरेलू कार्यों के लिए मदद अपेक्षाकृत आसान होती है.

अमेरिका जैसे देशों में ऐसी सुविधा बहुत मुश्किल होने के साथ ही अत्यंत महंगी भी है .निःसंदेह ये परिस्थितियां भारत को लेकर एक संभावनाशील परिदृश्य का निर्माण करती हैं, पर इसका लाभ उठाने के लिए भारत को शहरों में जीवनशैली बेहतर बनानी होगी .अन्यथा जो लोग भारत लौटने के बारे में सोच रहे हैं, वे भी दोबारा विदेश जाने की संभावनाएं तलाशने लगेंगे . तमाम लोग भारत वापस आने से इसलिए हिचकते हैं, क्योंकि यहां शहरी ढांचा कमजोर है .सफर में समय अधिक लगता है .प्रदूषण बहुत ज्यादा है .ऐसे में सरकारों को चाहिए कि वे शहरों को रहने के लिहाज से अनुकूल बनाएं ताकि अधिक से अधिक भारतीय प्रतिभाओं की स्वदेश वापसी हो सके .

बुलडोजर पर कोर्ट के निर्देशों का पालन जरूरी

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है . लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई . कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है . जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है .

शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है. कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी. अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है. साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है. कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है. जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा

अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है. दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है. इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है. जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा.

उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा-निर्देश दिए थे. इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था. अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी. उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा. लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया. इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है. अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे-कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है. अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है. जिसकी कानून इजाजत नहीं देता. प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए. ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई. कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया. वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है. उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं. यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगायी थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था. वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता. जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती. एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है. फिर तुरत-फुरत बुलडोजर चल जाता है. सवाल यह भी कि हर छोटे-बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है.

वक्फ संशोधन बिल पर मतभेद कायम

वक्फ संशोधन बिल पर सत्ता और विपक्ष में मतभेद कायम है, लेकिन सरकार ने सुधार के प्रयास किए हैं. बिल वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए है. मुख्य विवाद महिलाओं और गैर-मुस्लिम सदस्यों की भागीदारी पर है. संवाद और भरोसे की कमी बाधा बनी है. वक्फ संपत्तियों की व्यवस्था में सुधार की जरूरत से इंकार नहीं किया जा सकता.

वक्फ संशोधन बिल पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की उम्मीद तो किसी को नहीं, लेकिन गतिरोध को कम से कम करने का प्रयास जरूर होना चाहिए. इस बिल का असर एक बड़ी आबादी पर पड़ेगा. अगर उसकी चिंताओं को दूर नहीं किया गया तो बिल का मकसद अधूरा रह जाएगा.सरकार ने पिछले साल अगस्त में वक्फ संशोधन से जुड़ा नया बिल लोकसभा में पेश किया था. तब विपक्ष के विरोध के चलते इसे संयुक्त संसदीय कमिटी के पास भेज दिया गया. इस साल फरवरी में कमिटी ने अपनी रिपोर्ट दी, फिर केंद्रीय कैबिनेट ने उसे मंजूरी दी. सरकार का कहना है कि उसने विपक्ष की बात भी सुनी है, जबकि

विपक्ष का आरोप है कि उसके सुझाए बदलावों को स्वीकार नहीं किया गया.

वक्फ को लेकर विवाद कोई नया नहीं है और इसके कामकाज में सुधार होना चाहिए. वहीं, यह बड़ी संपत्ति का मालिक भी है. सरकारी रिपोर्ट बताती है कि फिलहाल वक्फ बोर्ड के पास देशभर में 8.7 लाख संपत्तियां हैं. भारतीय सेना और रेलवे के बाद सबसे ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड के पास है. संशोधन बिल से इनके मैनेजमेंट में आसानी होगी.सेंट्रल वक्फ काउंसिल में गैर-मुस्लिम सदस्यों के होने के प्रावधान पर आपत्ति हो सकती है, लेकिन महिला सदस्यों को लेकर हंगामा समझ से परे है. इससे मुस्लिम महिलाओं को अपनी बात रखने और अधिकार हासिल करने का मौका मिलेगा. इसी तरह, बोहरा और आगाखानी के लिए अलग बोर्ड बनने से इनके साथ अभी तक हुए भेदभाव को दूर किया जा सकेगा. विपक्ष के साथ ही एक वर्ग को डर है कि यह बिल कानून बन गया तो इसके जरिये सरकार धार्मिक मामलों में दखल देगी. हालांकि वक्फ संशोधन विधेयक पेश करते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ बोर्ड किसी भी धार्मिक संस्था की व्यवस्था में हस्तक्षेप नहीं करेगा. इस तरह की बात सरकार की तरफ से पहले भी कही जा चुकी है. इसके बावजूद अगर गतिरोध कायम है, तो इसकी वजह है संवाद और भरोसे की कमी.वक्फ बिल असल में धर्म से ज्यादा प्रॉपर्टी से जुड़ा मसला है. यह भी सच है कि वक्फ संपत्तियों की बदइंतजामी से जुड़ी खबरें आती रही हैं. ऐसे में सुधार की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता. लेकिन सुधार संवाद और सहमति के जरिए हो, टकराव का माहौल न बने, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए.

सीमा पर पाक पर रखनी होगी नजर

पाकिस्तान भले ही दाने-दाने को मोहताज हो और अराजकता-अस्थिरता से जूझ रहा हो लेकिन वह जम्मू कश्मीर को अशांत करने की अपनी हरकतों का परित्याग करने के लिए तैयार नहीं. इसका कारण भारत के प्रति उसकी घृणा है. भारत सरकार को इसका भी संज्ञान लेना चाहिए कि पाकिस्तान ड्रोन के जरिये पंजाब और जम्मू कश्मीर में हथियार और नशीले पदार्थ भेजने में लगा हुआ है. पाकिस्तानी सेना की ओर से

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन और गोलीबारी किया जाना गंभीर मामला है. इसलिए और भी, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने गोलीबारी तब की, जब उसके सैनिकों के भारतीय सीमा में घुसने के दौरान वहां एक बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया. लगता है इससे ही बौखलाए पाकिस्तानी सैनिकों ने गोलीबारी करके अपनी खीझ मिटाई. यह स्वाभाविक है कि भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की ओर से की गई गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया. यह उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच फरवरी 2021 से संघर्ष विराम समझौते को नए सिरे से लागू किया गया था. इसके बाद से आम तौर पर उसका पालन हो रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि कई बार पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन भी किया है.ऐसा आम तौर पर आतंकियों की घुसपैठ कराने के उद्देश्य से किया गया है अथवा उनके खिलाफ भारतीय सुरक्षा बलों के अभियान को बाधित कराने के इरादे से. ध्यान रहे कि इन दिनों हमारे सुरक्षा बल पाकिस्तान से घुसपैठ करके आए आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं. हाल में उनसे कठुआ के जंगलों में मुठभेड़ भी हो चुकी है. पाकिस्तानी सेना की ओर से संघर्ष विराम का उल्लंघन किस इरादे से किया गया, इसकी टोह लेने और सीमा पर सतर्कता बरतने के साथ ही इस पर भी विचार करना होगा कि सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर कैसे रोक लगे?चूंकि सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ थमने का नाम नहीं ले रही है, इसलिए जम्मू-कश्मीर में छिटपुट आतंकी घटनाएं घटती रहती हैं. इससे जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रश्न उठते रहते हैं और वहां हालात पूरी तौर पर सामान्य करने में कठिनाई भी होती है. खास बात यह है कि पिछले कुछ समय से पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी कश्मीर के स्थान पर जम्मू संभाग में घुसपैठ कर रहे हैं.

राशिफल

■ **मेष**: आपको नीरसता का अनुभव हो सकता है, लेकिन मार्गदर्शन से आप पुनः गति प्राप्त कर लेंगे. संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. आप विरोधियों पर बढ़त हासिल करेंगे. निवेशकों को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए. पेट की समस्या से परेशानी हो सकती है.

■ **वृषभ**: सफलता और संतुष्टि का दिन आपका इंतजार कर रहा है. लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय आपको भविष्य में लाभ पहुंचाएंगे. छोटी यात्रा का योग है. अधीनस्थ सहयोगी रहेंगे और आपको भाई-बहन की सफलता का सकारात्मक समाचार मिलेगा. कानूनी मामले भी आपके पक्ष में आ सकते हैं.

■ **मिथुन**: आपका संचार कौशल आपकी संपत्ति बनेगा, जो आपके पेशेवर प्रयासों को बढ़ाएगा. आपकी विनम्रता सकारात्मक रिश्तों को बढ़ावा देगी, परियोजना की प्रगति में तेजी लाएगी. जोड़े सार्थक बातचीत में संलग्न हो सकते हैं, जिससे उनका भावनात्मक बंधन मजबूत होगा.

■ **कर्क**: आपके ऊपर चंद्रमा की कृपा बरसेगी. नई साझेदारियाँ आपको फ़ायदा पहुंचाने का वादा करती हैं और आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा. आपके समर्पण और उत्साह का प्रतिफल वित्तीय लाभ के रूप में मिलेगा. स्वाभिमान आपको नकारात्मकता से बचाएगा.

■ **सिंह**: आप पुराने दोस्तों के साथ फिर से जुड़ सकते हैं और सामाजिक समारोहों में डूब सकते हैं, जिससे आप ऊर्जावान और उत्साहित महसूस करेंगे. नए व्यावसायिक विचार उभर सकते हैं, जिससे अप्रत्याशित भौतिक लाभ होगा. बच्चे अपनी पढ़ाई के बारे में सकारात्मक समाचार ला सकते हैं, और जोड़े एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकते हैं.

■ **कन्या**: चंद्रमा का आशीर्वाद आपको सशक्त बनाता है, छोटे निवेश को बड़े मुनाफे में बदल देता है. आपकी कार्यकुशलता आसमान छूती है और सफलता अनायास ही मिलती है. अनुकूल कानूनी परिणाम सामने आ रहे हैं और आप विरोधियों पर प्रभुत्व बनाए रखेंगे.

■ **तुला**: चंद्रमा का शुभ प्रभाव आपको न्यूनतम प्रयास से भी सफलता की ओर ले जाएगा. पिछले निवेशों से सकारात्मक रिटर्न मिलता है, और आपके समर्पण को आपके पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों क्षेत्रों में पुरस्कारों से मान्यता मिलती है. आपकी प्रतिष्ठा बढ़ती है, और आप नवीन व्यावसायिक उद्यम शुरू कर सकते हैं.

■ **वृश्चिक**: आप खुशहाली और अपनी परिस्थितियों पर नियंत्रण की भावना का अनुभव करेंगे. आपका नेटवर्क आपके पेशेवर प्रयासों में मूल्यवान साबित होगा और विदेश यात्रा के अवसर पैदा हो सकते हैं. यह घरेलू सौहार्द्र को बढ़ावा देने और अपने प्रेम जीवन को मजबूत करने का एक उपयुक्त समय है.

■ **धनु**: अत्यधिक कार्यभार के कारण आपको थकान का अनुभव हो सकता है. इससे आलस्य और लापरवाही हो सकती है, इसलिए धैर्य रखना और फोकस बनाए रखना महत्वपूर्ण है. यदि आप किसी साहसिक यात्रा पर विचार कर रहे हैं, तो इसे कुछ समय के लिए स्थगित करने की सलाह दी जाती है. पिछले निवेशों से अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं मिल सकते हैं, और छात्रों से अतिरिक्त प्रयास करने का आग्रह किया जाता है.

■ **मकर**: आपकी रचनात्मकता निखरेगी, जो आपको घर के नवीकरण परियोजनाओं को शुरू करने के लिए प्रेरित करेगी. आप अपने रहने या कार्यस्थल को ऊंचा उठाने, अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए साज-सज्जा या सजावट में निवेश कर सकते हैं. आपके जीवनसाथी के साथ सामंजस्य कायम रहने की संभावना है, जिससे शांतिपूर्ण घरेलू माहौल को बढ़ावा मिलेगा.

■ **कुंभ**: आप संतुष्टि की भावना का अनुभव करेंगे क्योंकि आप अपनी आय और व्यय के बीच संतुलन बनाने में सफल रहेंगे, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी. आपका नेटवर्क आपकी योजनाओं को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, और आपको भाई-बहनों और अधीनस्थों से बहुमूल्य समर्थन प्राप्त होगा.

■ **मीन**: आप नींद की कमी के कारण सुस्ती और ध्यान केंद्रित करने में कमी का अनुभव कर सकते हैं, जो आपके लक्ष्यों की दिशा में आपकी प्रगति में बाधा बन सकता है. इससे आपकी कार्यकुशलता पर असर पड़ सकता है. सांत्वना पाने और मार्गदर्शन पाने के लिए किसी धार्मिक स्थान पर जाने पर विचार करें. देर शाम को, आपके बड़ों का आशीर्वाद स्पष्टता ला सकता है और आपको अपनी गलतियों को पहचानने में मदद कर सकता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 406

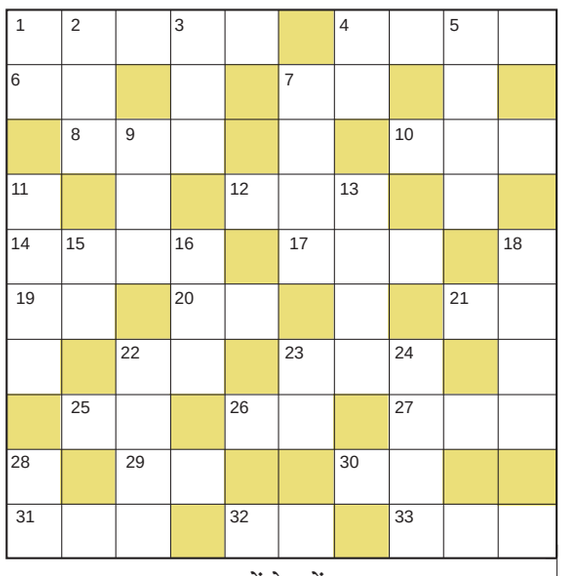

बायें से दायें:-

1. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-4
6. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-2
8. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-3
10. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-3
14. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-4
17. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
19. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
21. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-2
22. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-2
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-3
25. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
26. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
29. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-2
30. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
31. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
32. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-2
33. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
11. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-4
13. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
15. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-2
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-4
22. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
23. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-2
24. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-4
28. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 405 का हल

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 406

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	19	34	13		18	20	16	16	
19		8				8		5	26
15	4		2		5		7		25
13		8				4		6	15
28	7		3		2				
				9		3		5	27
22	6		3				2		12
20		3		7		8		5	16
18	6		3				1		15
	18	17	10	31		23	14	22	

अंकजाल 405 का हल

	21	17	12		39	24	16	19	
19	9	3	7		5	5	4	9	23
14	2	7	5		8	7	5	3	23
10	8	2		3	4	6	7	7	27
33	2	5	7	8	9	2			
			7	3	6	4	5	2	27
25	5	6	3	4	7		8	5	13
24	8	6	4	6		7	3	5	15
18	6	7	3	2		7	4	9	20
	19	19	24	26		14	20	21	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 406

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा
र्जी	ड	ल	कु	मु	द	बे	न	जो	शी	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल.

शब्दजाल - 405 का हल

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	बि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
म	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सि	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्लास्टिक मनुष्य के जीवन के लिये खतरे की घंटी

तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रो-प्लास्टिक की मौजूदगी है.विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं.यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं.चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों.ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है.शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है.अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं.निश्चय ही यह चिंता का विषय है.हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं.दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है.आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है.दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं.इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए.इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए.वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये.इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है. हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

'हम तो विकासवाद की नीति में विश्वास रखते हैं'

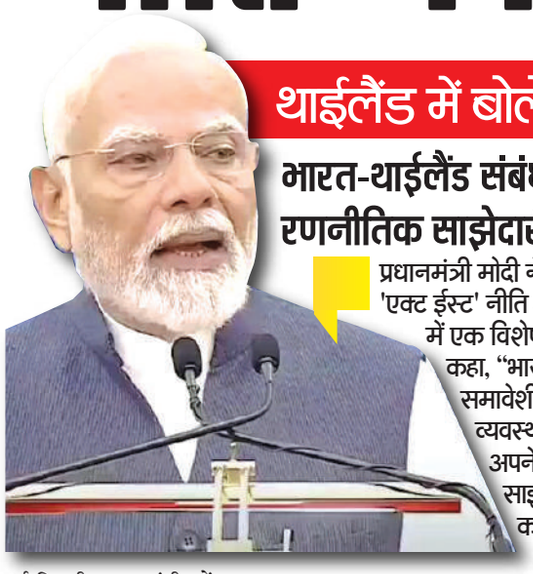

थाईलैंड में बोले पीएम मोदी

भारत-थाईलैंड संबंधों को मिली रणनीतिक साझेदारी की नई दिशा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि थाईलैंड भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में एक विशेष स्थान रखता है. उन्होंने कहा, "भारत और थाईलैंड मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन करते हैं. हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है."

व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया. इसके साथ ही, आपसी व्यापार, निवेश और व्यापारिक लेन-देन को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई. इसके अलावा, MSME, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौते किए गए ताकि दोनों देशों की पारंपरिक कलाओं को वैश्विक मंच पर पहचान मिले.

प्रधानमंत्री मोदी को थाई प्रधानमंत्री ने भेंट की पवित्र ग्रंथ

प्रधानमंत्री मोदी को थाई प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने "वर्ल्ड टी-पिटकः सज्झाय फोनेटिक एडिशन" भेंट किया. यह ग्रंथ थाई सरकार द्वारा 2016 में थाईलैंड के राजा भूमिबोल अदुल्यादेज (राम IX) और रानी सिरिकित के 70 वर्षीय शासनकाल की स्मृति में प्रकाशित किया गया था.

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिवसीय दौरे पर थाईलैंड पहुंचे, जहां उन्होंने अपने समकक्ष पाएटोंगटार्न चिनावाट के साथ प्रतिनिधि-मंडल स्तरीय वार्ता की. इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था का समर्थन करते हैं. हम 'विस्तारवाद' नहीं, बल्कि 'विकासवाद' की नीति में विश्वास रखते हैं.
इस मुलाकात में दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, कनेक्टिविटी, पर्यटन, शिक्षा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई. प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया. इसके अलावा, MSME, हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योगों में आपसी सहयोग को लेकर समझौते किए गए. पीएम मोदी ने कहा, "भारत और थाईलैंड के संबंध सदियों पुराने हैं और हमारी गहरी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जड़ों से जुड़े हुए हैं. बौद्ध धर्म के प्रसार ने दोनों देशों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. अयुत्थाया से नालंदा तक विद्वानों का आदान-प्रदान हुआ है और रामायण की कहानियां थाई लोगों के जीवन का हिस्सा हैं."प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दौरे के दौरान 18वीं शताब्दी की रामायण भित्ति चित्रों पर आधारित एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया.

BIMSTEC सम्मेलन में समुद्री सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर

शाम को प्रधानमंत्री मोदी BIMSTEC (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे, जहां थाईलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और भूटान के नेताओं के साथ समुद्री सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे. थाईलैंड दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका की यात्रा करेंगे, जहां वे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे.

मोदी ने थाईलैंड में देखी रामायण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड की अपनी समकक्ष पैंटोंगटॉर्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की. इस दौरान उन्होंने थाई कलाकारों द्वारा प्रस्तुत ₹रामायण₹ का अद्भुद और अलौकिक मंचन भी देखा. मोदी को यहां 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया. इसके बाद उन्होंने रामकियेन - थाई रामायण की मनमोहक प्रस्तुति भी देखी.पीएम मोदी को इस दौरान थाईलैंड की प्रधानमंत्री ने "The World Tipitaka-Sajjhaya Phonetic Edition" भेंट किया. इसे हिंदी में "विश्व टिपिटकाः सज्जया ध्वन्यात्मक संस्करण" कहा जाता है. टिपिटका को संस्कृत में त्रिपिटक भी कहते हैं. यह भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का एक प्रतिष्ठित संकलन है, जिसमें 108 खंड हैं और इसे प्रमुख बौद्ध धर्मग्रंथ माना जाता है.

दिल्ली-NCR में पटाखों पर रोक जारी

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं को किया खारिज

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, निर्माण और भंडारण पर सालभर के प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया. याचिकाकर्ताओं को कोर्ट ने सलाह दी कि वे ग्रीन पटाखों की गुणवत्ता में सुधार कर उनके उत्सर्जन को और कम करें, उसके बाद ही राहत की उम्मीद करें.सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला नेशनल एनवा-यरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (NEERI) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) की रिपोर्ट के आधार पर दिया, जिसमें पाया गया कि ग्रीन पटाखों से पारंपरिक पटाखों की तुलना में 30% कम प्रदूषण होता है.

पराली जलाने पर सख्ती
सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के मुद्दे पर भी निर्देश जारी किए. कोर्ट ने सभी एनसीआर राज्यों को कहा कि वे वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) द्वारा जारी किए गए निर्देशों को सख्ती से लागू करें. एनसीआर राज्यों को अपने मुख्य सचिव के नेतृत्व में एक समिति गठित करने का आदेश दिया गया है, जो इन निर्देशों के कार्यान्वयन की निगरानी करेगी. इसके अलावा, हर महीने की 10 तारीख तक रिपोर्ट सीएक्यूएम को सौंपनी होगी. यदि आवश्यक हुआ, तो सीएक्यूएम इस रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट से नए निर्देश मांग सकता है.

पटाखा निर्माताओं को सुधार करने की सलाह

कोर्ट ने कहा कि यह पटाखा निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे ग्रीन पटाखों को और बेहतर बनाएं. यदि ग्रीन पटाखों से होने वाला प्रदूषण न्यूनतम स्तर पर आ जाता है, तो प्रतिबंध पर पुनर्विचार किया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली और हरियाणा सरकार ने पटाखों पर प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू किया है, जिसमें ऑनलाइन बिक्री पर भी रोक शामिल है. वहीं, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को निर्देश दिया गया कि वे भी इस प्रतिबंध को लागू करें और दो हफ्ते के भीतर अनुपालन रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करें.

DM ऑफिस के बाहर बैठ महिला ने पढ़ी नमाज

हमीरपुर. उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में एक महिला द्वारा ईद के दिन डीएम ऑफिस के बाहर नमाज पढ़ने के मामले ने तूल पकड़ लिया. बताया जा रहा है कि करीब आधा घंटे महिला डीएम ऑफिस के बाहर बैठी रही. लेकिन किसी कर्मचारी की नजर उसपर नहीं पड़ी, ना ही किसी ने उसे टोका. हालांकि, जब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया.

खुद डीएम हमीरपुर ने इस वीडियो का संज्ञान लिया और उक्त महिला पर मुकदमा दर्ज कर एक्शन लेने का आदेश दिया. वहीं, डीएम ऑफिस में तैनात सुरक्षाकर्मी को सस्पेंड कर दिया गया. पुलिस महीला को

जीते जी बुजुर्ग महिला को नहीं देखा

फर्रुखाबाद. फर्रुखाबाद जिले के फतेहगढ़ क्षेत्र में रहने वाली एक वृद्ध महिला का इलाज के दौरान अस्पताल में निधन हो गया. जैसे ही यह खबर उनके भतीजों को मिली, वे तुरंत अस्पताल पहुंचे और मृतका की उंगलियों के निशान लेने की कोशिश करने लगे. अस्पताल कर्मियों को यह संदिग्ध लगा, जिसके चलते उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी. स्थिति बिगड़ती देख भतीजों ने यह प्रयास छोड़ दिया, लेकिन पोस्टमॉर्टम के बाद शव ले जाने की जिद करने लगे.
60 वर्षीय मृतका का नाम मुन्नी देवी है, जो दिवंगत रणवीर सिंह की पत्नी थीं. रणवीर सिंह जेल में सिपाही थे. उनकी कोई संतान नहीं थी. पति रणवीर के निधन के बाद पड़ोस में रहने वाले राकेश पाल मुन्नी देवी की देखभाल करने लगे. मुन्नी देवी भी उन्हें अपने बेटे के समान मानती थीं. दो महीने पहले उन्होंने अपनी संपत्ति की वसीयत राकेश के नाम कर दी थी. बीते महीने बुजुर्ग मुन्नी देवी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार रात उनकी मृत्यु हो गई. मुन्नी देवी के निधन की जानकारी मिलते ही उनके भतीजे प्रेमपाल सिंह चौहान और धर्मवीर सिंह अस्पताल पहुंचे और मृतका की उंगलियों के निशान लेने की कोशिश करने लगे. वार्ड स्टाफ को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी, जिसके बाद भतीजों ने अपनी गलती स्वीकार कर ली. पोस्टमॉर्टम के बाद जब भतीजों ने शव को अपने साथ ले जाने की इच्छा जाहिर की, तो राकेश पाल ने इसका विरोध किया.

विदेशी सत्ता को भारत में समाप्त किया: मोहन भागवत

समाज व राष्ट्र विकास के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज के संघर्ष के जिक्र करते हुए आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि न्याय व समता के लिए शिवाजी महाराज ने जो संकल्पनाएं रखीं थी उन पर पूरी पूरी तरह से अमल नहीं हो पाया है. शिवाजी महाराज के संघर्ष में नियोजन व व्यवस्थितता थी. वे सबके लिए आदर्श हैं. उन्होंने इस्लाम के नाम पर आक्रमण को चुनौती दी थी. बुधवार को दीक्षाभूमि के पास मुंडले सभागृह में युगंधन शिवराय ग्रंथ का प्रकाशन सरसंघचालक ने किया. इसी अवसर पर वे बोल रहे थे. ग्रंथ का लेखन शिवचरित्र अभ्यासक व शिव व्याख्याता स्व. डॉ. सुमंत टेकाडे ने किया है. कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि मुधोजीराजे भोसले थे. शिवाजी महाराज के संघर्ष का जिक्र करते हुए सरसंघचालक ने कहा-राज्याभिषेक के बाद शिवाजी महाराज की आगरा से वापसी का इंततार पूरा विश्व कर रहा था. महाराज, वापस आए और राजा हुए. विदेशी सत्ता को उन्होंने

भारत में समाप्त किया. राजस्थान में दुर्गादास राठोड व बुंदेलखंड में छत्रपाल ने शिवाजी महाराज से प्रेरणा ली. चक्रधरसिंह ने लिखा कि दक्षिण में शिवाजी महाराज ने जो किया व उत्तर में किया जा सकता है. रवींद्रनाथ टैगोर ने महाराज पर कविता लिखी. विवेकानंद ने उनका चरित्र लिखा. दक्षिण में शिवाजी महाराज भी भूमिका निभानेवाले एक अभिनेता का नाम शिवाजी गणेशन हो गया. संपत्ति वितरण में अन्याय नहीं होने देने के कई प्रयास शिवाजी महाराज ने किए थे.

जयपुर कलेक्ट्रेट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर . राजस्थान की राजधानी जयपुर में गुरुवार को डराने का वाला मामला सामने आया है. जयपुर के कलेक्ट्रेट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. बम की ये धमकी ई-मेल के माध्यम से दी गई है. ई-मेल प्राप्त होने के बाद पुलिस के बम निरोधक दस्ते और एटीएस की टीम ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर गहन तलाशी अभियान चलाया. हालांकि, तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और बम विस्फोट करने की धमकी फर्जी पाई गई है.

पुलिस ने क्या बताया?
पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित बुडानिया ने इस पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है. उन्होंने बताया- ₹आज जयपुर जिलाधिकारी कार्यालय को ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें कलेक्ट्रेट में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई.

बंगाल की खाड़ी में सबसे लंबी कोस्टल लाइन हमारी

जयशंकर ने थाईलैंड में मोहम्मद यूनुस को दिखाया आईना

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय BIMSTEC में हिस्सा लेने के लिए थाईलैंड में हैं. इस दौरान जयशंकर ने राजधानी बैंकॉक में बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के पूर्वोत्तर को भारत से जोड़ने वाले 'चिकन नेक' वाले बयान और खुद को इस क्षेत्र के समंदर का एकमात्र गार्जियन बताने पर मुंहतोड़ जवाब दिया है.
जयशंकर ने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस को आईना दिखाते हुए कहा कि भारत बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए BIMSTEC के संबंध में अपनी जिम्मेदारी से अवगत है. बंगाल की खाड़ी में भारत की सबसे लंबी तटरेखा भी है, जो लगभग 6,500 किलोमीटर है.उन्होंने कहा कि हमारे पास बंगाल की खाड़ी में लगभग 6500 किलोमीटर की सबसे लंबी तटरेखा है. हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र सड़कों, रेलवे, जलमार्ग, ग्रिड और पाइपलाइनों के नेटवर्क के साथ बिम्सटेक के लिए कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में उभर रहा है. इसके अलावा त्रिपक्षीय राजमार्ग का पूरा होना भारत के उत्तर पूर्व को प्रशांत महासागर तक जोड़ देगा, जो एक वास्तविक गेम-चेंजर है. हम इस बात के प्रति सचेत हैं कि इस बड़े भूगोल में वस्तुओं, सेवाओं और लोगों के सुचारू प्रवाह के लिए हमारा सहयोग और सुविधा एक आवश्यक शर्त है. इस भूरणनीतिक कारक को ध्यान में रखते हुए हमने पिछले दशक में BIMSTEC को मजबूत करने के लिए बढ़ती ऊर्जा और ध्यान समर्पित किया है.
क्या है चिकन नेक?: चिकन नेक, जिसे सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नाम से भी जाना जाता है. यह लगभग 20-22 किलोमीटर चौड़ा और 60 किलोमीटर लंबा क्षेत्र है. ये वही रास्ता है जो भारत की मुख्य भूमि को इसके पूर्वोत्तर राज्यों (जिन्हें ₹सेवन सिस्टर्स₹ भी कहा जाता है) से जोड़ता है. सवाल उठता है कि इसे चिकेन नेक क्यों कहते हैं? दरअसल इसका नाम ₹चिकन नेक₹ इसलिए पड़ा क्योंकि यह मुर्गी की गर्दन की तरह पतला है. 22 KM चौड़ा ये रास्ता मेनलैंड इंडिया को पूर्वोत्तर भारत से जोड़ता है. इसकी वजह से यह भौगोलिक और सामरिक दृष्टि से संवेदनशील है. यह कॉरिडोर नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से घिरा हुआ है, जिसके कारण इसका महत्व और भी बढ़ जाता है.

मोहम्मद यूनुस ने आखिर क्या कहा था?

चीन दौरे पर गए बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने चीन की धरती पर कहा था कि इस क्षेत्र के समंदर का एक मात्र गार्जियन ढाका है. चीन को अपने देश में निवेश करने का न्योता देते हुए यूनुस ने कथित तौर पर भारत की मजबूरियां गिनाई थी और चीन को लुभाते हुए कहा था कि उसके पास बांग्लादेश में बिजनेस का बड़ा मौका है.मोहम्मद यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का जिक्र करते हुए कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों, जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है. वे चारों ओर से भूमि से घिरे हुए देश हैं, भारत का लैंड लॉक्ड क्षेत्र हैं. उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है. इस पूरे क्षेत्र में जो समंदर है उसका एक मात्र गार्जियन बांग्लादेश है.

स्पेक्ट्रम आवंटन पर सरकार ने बनाया प्लान

नई दिल्ली. भारत में जल्द सैटेलाइट के जरिए ब्रॉडबैंड इंटरनेट की सुविधा मिलने वाली है. भारत में सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सर्विस पहुंचाने के लिए Jio और Airtel के अलावा एलन मस्क की कंपनी Starlink के साथ-साथ Amazon Kuiper भी रेस में हैं. सर्विस प्रोवाइडर्स सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के आवंटन का इंतजार कर रहे हैं. सरकार की तरफ से स्पेक्ट्रम अलोकेशन करने के बाद सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस शुरू हो सकती है. सैटेलाइट स्पेक्ट्रम अलोकेशन को लेकर केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्यसभा में बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस के जल्द शुरू होने के आसार दिखने लगे हैं.
प्रशासनिक तरीके से होगा आवंटन
राज्यसभा में प्रश्न काल के दौरान कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा पूछे गए सवाल का जबाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, ₹सैटेलाइट स्पेक्ट्रम का आवंटन प्रशासनिक तरीके से किया जाएगा. इसकी नीलामी नहीं की जाएगी क्योंकि हम किसी ऐसी संपत्ति को नीलाम नहीं कर सकते हैं, जिस पर हमारा पूरी तरह से कंट्रोल नहीं है. यह सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि धरती पर मौजूद सभी देशों पर लागू होता है.₹

जल्द शुरू होगी सर्विस

मोबाइल और सैटेलाइट स्पेक्ट्रम में अंतर

सदन में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोबाइल टेक्नोलॉजी एक लो-फ्रिक्वेंसी तरंगो पर ऑपरेट होती है जो वातावरण में मौजूद है. इसके लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी जरूरी है ताकि सिग्नल में कोई दखलअंदाजी न हो सके. वहीं सैटेलाइट कम्युनि-केशन हाई फ्रिक्वेंसी पर ऑपरेट होता है जो फिक्स्ट एंटिना में डायरेक्ट ट्रांसमिट होता है. इस समय दुनिया का कोई भी देश सैटेलाइट स्पेक्ट्रम को नीलाम नहीं करता है. उन्होंने कहा कि अमेरिका के ऑर्बिट एक्ट में सैटेलाइट की नीलामी पर रोक है. वहीं, यूरोप, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों में भी सैटेलाइट को प्रशासनिक तौर पर आवंटित किया जाता है.

साथ ही, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मोबाइल और सैटेलाइट कम्युनि-केशन के बीच का अंतर भी सदन के पटल पर रखा.
स्पेक्ट्रम की दरें तैयार होने के बाद आवंटनः केंद्रीय संचार मंत्री ने सदन में कहा, ₹दूरसंचार नियामक प्राधिकरण यानी TRAI स्पेक्ट्रम की दरों को तैयार करता है. TRAI द्वारा स्पेक्ट्रम की दरें निर्धारित होने के बाद स्पेक्ट्रम को सभी सर्विस प्रोवाइडर्स को आवंटित कर दिया जाएगा. इसमें किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा.₹ वहीं, अंतर्राष्ट्रीय टेलीकम्युनिकेशन यूनियन सैटेलाइट ऑर्बिट और फ्रिक्वेंसी को किसी एक देश को असाइन करने का काम करता है, जिसके इस्तेमाल को देश की सीमाओं के अंदर किया जा सकता है. मंत्री ने आगे बताया कि अंतर्राष्ट्रीय टेलीकम्युनिकेशन यूनियन सैटेलाइट ऑर्बिट और फ्रिक्वेंसी निर्दिष्ट करता है, अलग-अलग देश केवल अपने क्षेत्रों के अंदर इसके उपयोग को नियंत्रित करते हैं.

विदेश नीति 'ट्रंप टैरिफ' पर बोले भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया

अमेरिका जैसा कोई दोस्त ऐसा नहीं कर सकता

नई दिल्ली. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के देशों पर व्यापक टैरिफ का ऐलान किया. उन्होंने यह टैरिफ अपने प्रतिद्वंद्वियों पर तो लगाया ही, साथ ही अपने करीबी व्यापारिक सहयोगियों को भी नहीं बख्शा. ट्रंप ने 2 अप्रैल को 'Liberation Day' बताते हुए कहा कि 'ये (टैरिफ) हमारी आजादी की घोषणा है.' ट्रंप का कहना है कि टैरिफ लगाने से अमेरिका का व्यापार घाटा कम होगा, कंपनियां अमेरिका में आकर ही उत्पादन शुरू करेंगी और नौकरियों में इजाफा होगा. लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि ट्रंप का यह कदम वैश्विक व्यापार युद्ध शुरू कर सकता है और देशों की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकता है.
ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान पर दुनिया भर के नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आई है. भारत की तरफ से केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा है कि भारत पहले टैरिफ का विश्लेषण करेगा. भारत पर ट्रंप ने 27% का टैरिफ लगाया है. इसे लेकर मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप के लिए अमेरिका पहले है और मोदी के लिए भारत पहले है. हम सबसे पहले इसका (टैरिफ का) विश्लेषण करेंगे, फिर इसके प्रभावों का आकलन करेंगे और देखेंगे कि इससे कैसे डील करना है.'

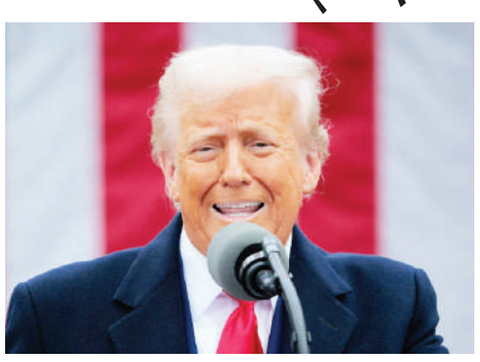

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह यूरोप के लिए बेहद मुश्किल होने वाला है. उन्होंने कहा, 'यह यूरोप के लिए बेहद कठिनाई भरा है. मेरा मानना है कि यह अमेरिका और उसके नागरिकों के लिए भी बेहद विनाशकारी साबित होने वाला है.'

ताइवान के प्रधानमंत्री चो जंग-ताई

ताइवान पर अमेरिका ने 32% का टैरिफ लगाया है. इस टैरिफ को लेकर देश के प्रधानमंत्री चो जंग ने कहा कि यह बेहद अनुचित कदम है. उन्होंने कहा कि वो अमेरिका के समक्ष गंभीरता से अपनी बात रखेंगे.

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी

ट्रंप की सहयोगी इटली की जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि यह फैसला ₹गलत₹ है. लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि वो ट्रेड वॉर यानी व्यापार युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका के साथ समझौते की दिशा में काम करेंगी.

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन

ईयू की अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप का यूरोपीय संघ समेत पूरी दुनिया पर टैरिफ लगाने की घोषणा दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका है. इससे अनिश्चितता बढ़ेगी और संर-क्षणवाद को बढ़ावा मिलेगा. दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए इसके भयंकर परिणाम होंगे.'

टैरिफ लिस्ट से बाहर क्यों हैं रूस और नॉर्थ कोरिया

टैरिफ लागू करने के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने सहयोगियों को तगड़ा झटका दिया है, वहीं विरोधियों को राहत दी है. ट्रंप ने जापान, दक्षिण कोरिया और भारत जैसे कुछ करीबी सहयोगी देशों और ट्रेड पार्टनर्स पर भारी टैरिफ लगाया है, जबकि रूस और नॉर्थ कोरिया को इस लिस्ट से बाहर रखा है .अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-चीन समेत दुनिया के कई देशों पर रियायती रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान कर दिया. ट्रंप के इस ऐलान से दुनियाभर के बाजारों में खलबली मच गई है और तमाम देश इससे निपटने की कोशिशों में जुट गए हैं .टैरिफ लागू करने के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने सहयोगियों को झटका दिया है, वहीं विरोधियों को राहत दी है . ट्रंप ने जापान, दक्षिण कोरिया और भारत जैसे कुछ करीबी सहयोगी देशों और ट्रेड पार्टनर्स पर भारी टैरिफ लगाया है, जबकि रूस और नॉर्थ कोरिया को इससे बाहर रखा है . ऐसा कदम ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की विदेश नीति के मुताबिक उठाया गया है . इसमें उन्होंने बार-बार सहयोगियों को परेशान किया है और धमकी देते हुए दंडात्मक आर्थिक नीतियां लागू की हैं, लेकिन पारंपरिक रूप से विरोधियों के साथ अच्छा व्यवहार किया है .

चीनी लोगों से रोमांस ना करें अमेरिकी वर्कर्स

अमेरिक के टैरिफ नीति इन दिनों जहां पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है. वहीं अब ट्रंप प्रशासन ने चीन में रह रहे अपने कर्मियों के लिए गोपनीय तरीके से एक सख्त निर्देश जारी किया है. इसके तहत चीन में रह रहे अमेरिका के सरकारी कर्मियों को चीन के स्थानीय नागरिकों के साथ रोमांटिक या निजी संबंध रखने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है.

महाराष्ट्र में पावर का बंटवारा !

अब अजित पवार के डिपार्टमेंट की फाइल भी शिंदे के पास जाएगी, फडणवीस लगाएंगे अंतिम मुहर

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 3 प्रमुख दलों के गठबंधन के बीच ₹शक्ति राजनीति₹ में संतुलन बनाए रखने के लिए अधिकारों का समान वितरण सुनिश्चित किया है. सरकारी आदेश को 18 मार्च, 2025 को मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने जारी किया है. इस आदेश में कहा गया है कि वित्त और योजना विभाग, जो वर्तमान में अजित पवार के अधीन है, उसकी हर फाइल अब अंतिम मंजूरी के लिए सीएम देवेंद्र फडणवीस तक पहुंचने से पहले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से होकर गुजरेगी. इसे सियासी संतुलन बनाए रखने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है.

महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के दौरान जब उद्धव ठाकरे सीएम थे और अजित पवार के पास वित्त विभाग था. तब शिंदे के शिवसेना गुट ने पवार पर पक्षपात का आरोप लगाया था. उन्होंने दावा किया कि पहले एनसीपी, फिर कांग्रेस और अंत में शिवसेना को पैसा आवंटित किया गया, जो एमवीए के पतन का एक प्रमुख कारण बन गया.

शिंदे के सीएम रहने के दौरान भी ऐसा ही था नियम

राजनीतिक बदलाव के बाद एकनाथ शिंदे सीएम बने और फडणवीस डिप्टी सीएम बने और एक साल के भीतर ही शिंदे के नेतृत्व में अजित पवार भी डिप्टी सीएम बन गए. हालांकि पवार ने वित्त विभाग अपने पास रखा, लेकिन अंतिम फैसले का अधिकार शिंदे के पास ही रहा. तब भी 2023 में आदेश जारी किया गया था कि फाइलें तत्कालीन डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के माध्यम से अंतिम मंजूरी के लिए सीएम एकनाथ शिंदे के पास भेजी जाएंगी. हालांकि, अब वित्त विभाग को सत्ता संतुलन को बाधित होने से रोकने के लिए फडणवीस ने फाइल अनुमोदन प्रक्रिया को पहले ही बदल दिया और उनके पास फाइल पहुंचने से पहले दोनों उप मुख्यमंत्रियों के पास जाएगी. राजनीतिक हलकों में इसे सीएम फडणवीस का "मास्टरस्ट्रोक" बताया जा रहा है.

महायुति में हुआ था विवाद

तीनों महायुति दलों के नेता पहले भी लगातार कहते रहे हैं कि उनके बीच "कभी कोई विवाद नहीं था". हालांकि, अजित पवार को अब अपनी फाइलों के लिए शिंदे की मंजूरी की जरूरत होगी. इससे शिंदे की शिवसेना को एनसीपी पर बढ़त मिल गई है, जो पहले टकराव का कारण बनी थी. इस निर्णय के माध्यम से एकनाथ शिंदे को सशक्त बनाकर, फडणवीस ने सुनिश्चित किया है कि शिंदे का गुट फंड आवंटन और निर्णय लेने से संतुष्ट रहे. वहीं इस कदम के जरिए अजित पवार को भी नियंत्रण में रखा जा सके. इस कदम को महायुति के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में देखा जा रहा है.

दाऊद इब्राहिम का आदमी बोल रहा हूं...

मोदी और योगी को दी जान से मारने की धमकी

मुंबई. मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है. मुंबई की अदालत ने 29 साल के एक आदमी को 2 साल की जेल की सजा सुनाई है. इस आदमी का नाम कामरान खान है और वह चुनाभट्टी में रहता है. कामरान खान ने 2023 में पुलिस को फोन करके धमकी दी थी. उसने कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मार देगा. उसने यह भी कहा था कि वह जेजे हॉस्पिटल को बम से उड़ा देगा. उसने यह सब बातें दाऊद इब्राहिम के गैंग का सदस्य बनकर कहीं थीं. 20 नवंबर 2023 को आई थी कॉल सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि 20 नवंबर 2023 को मुंबई पुलिस कमिश्नर के कंट्रोल रूम में एक फोन आया था. फोन करने वाले ने कहा कि दाऊद इब्राहिम के गैंग के एक आदमी ने उसे 5 करोड़ रुपये दिए हैं ताकि वह मोदी और आदित्यनाथ को मार सके. उसने यह भी कहा कि वह जेजे हॉस्पिटल को बम से उड़ा देगा क्योंकि पुलिस उसकी शिकायत को गंभीरता से नहीं ले रही है.

इब्राहिम कालिया का किया जिक्र: जब पुलिस ने उससे बात करने की कोशिश की, तो उसने उसे भी धमकी दी. उसने कहा कि अगर कोई घटना होती है तो वह खुद जिम्मेदार होगा. उसने बातचीत में इब्राहिम कालिया नाम के एक आदमी का भी जिक्र किया, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह दाऊद गैंग का सदस्य है. जब पुलिस कर्मी ने कहा कि वह फोन अपने सीनियर को दे देगी, तो उसने फोन काट दिया. इसके बाद पुलिस कर्मी ने अपने सीनियर अफसरों को इस बारे में बताया.

कॉल डीटेल निकाली गई: बाद में, जब वह आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने गई, तो उसे पता चला कि फोन करने वाला कामरान खान है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया. उसने उसकी आवाज पहचान ली. उसे यह भी पता चला कि उसने पहले भी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी थी. पुलिस ने कामरान खान का मोबाइल फोन जब्त कर लिया और उसे जांच के लिए भेज दिया. इसके बाद, उसके कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) निकाले गए और पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी.

कामरान पर क्या आरोप

कोर्ट ने कामरान खान के इस हरकत को गंभीरता से लिया. जज हेमंत यू जोशी ने कहा कि कामरान खान ने जो किया, उससे सरकार और बड़े नेताओं की सुरक्षा खतरे में पड़ गई. उन्होंने कहा कि कामरान खान पर दया दिखाना सही नहीं होगा. जज ने यह भी कहा कि कामरान खान की वजह से पूरी पुलिस फोर्स अलर्ट पर थी. कोर्ट ने यह भी बताया कि कामरान खान पहले भी ऐसे अपराध कर चुका है. कामरान खान के वकील ने कहा कि वह मानसिक रूप से बीमार है. लेकिन कोर्ट ने इस बात को नहीं माना. कोर्ट ने कहा कि वकील के पास इस बात का कोई सबूत नहीं है. कामरान खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और वह तब से जेल में ही है. अब कोर्ट ने कहा है कि उसकी जेल की सजा शुरू हो गई है.

अमित शाह के भाषण से जिन्ना भी शर्मिंदा हो जाएंगे

उद्धव ने वक्फ बिल पर फडणवीस को भी सुनाई खरी-खरी

मुंबई. लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल का विरोध करने पर बीजेपी के हमले के उद्धव ठाकरे ने कड़ा पलटवार किया है. उद्धव ठाकरे ने कहा है कि इस बिल का हिंदुत्व से क्या लेना-देना है? लोकसभा में इस जिस तरह से यह बताया है कि इससे मुस्लिमों को फायदा होगा और जिस तरह के भाषण दिए गए. इसने तो जिन्ना को भी शर्मिंदा कर दिया है. ठाकरे ने कहा कि वक्फ में जो गलत है वह गलत है. पारदर्शिता बिल्कुल होनी चाहिए. हमारी शिवसेना कभी गलत का समर्थन नहीं करेगी. उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना ने हमने बिल नहीं बल्कि भ्रष्टाचार का विरोध किया है.

उद्धव ठाकरे ने दी चुनौती

उद्धव ठाकरे ने कहा कि आज वक्फ की जमीन पर आपकी आंख है. कल मंदिर और चर्च के साथ दूसरे धार्मिक स्थानों गुरुद्वारों की जगह पर नजर होगी. ठाकरे ने कहा कि तरफ औरंगजेब की कब्र खोदने की बातें करते हैं तो संघ पर उस मिट्टी डलवाता है. बीजेपी सौगात देती है ईद की पार्टी करती है और कहती है कि हमने हिंदुत्व को छोड़ दिया. ठाकरे ने आरोप लगाया है कि अगर अपने मित्रों को जमीन ही देनी है तो जहां चीन पाकिस्तान घुस गया वह जमीन अपने मित्रों को दे दो. उद्धव ठाकरे ने यह भी किया कि यह महज संयोग है कि बीफ खाने का समर्थन करने वाले किरण रिजिजू ने यह बिल पेश किया. यह जानबूझ कर किया गया संयोग है.

हमें न सिखाएं...फडणवीस पर बोले उद्धव

ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस के ऊपर कड़ा पलटवार किया है. ठाकरे ने कहा कि वे (फडणवीस) हमें न बताएं कि बाला साहेब की विचारधारा क्या थी? उन्होंने कहा कि आप (फडणवीस) बच्चे थे, बालासाहेब ने इज्तेमा के लिए जगह दी थी. आपकी सरकार वह जमीन बुलेट ट्रेन के लिए दे दी. फडणवीस ने वक्फ संशोधन बिल के मुद्दे पर निशाना साधते हुए पूछा था उद्धव ठाकरे बाला साहेब ठाकरे की मानेंगे या फिर राहुल गांधी की? उद्धव ठाकरे ने कहा कि बीजेपी की नीति तोड़ो-फोड़ो और राज करो की. यह बिल सत्ता के लिए लाया गया है. इसीलिए अमित शाह ने कहा कि बिहार भी जीतेंगे और बंगाल भी. उद्धव ठाकरे ने टीडीपी और जेडीयू को भी निशाने पर लिया.

पहले दीवार में मारा सिर, फिर चाकू से किए वार

जालना. जालना जिले में एक महिला ने झगड़े के बाद अपने घर में अपनी सास की कथित तौर पर हत्या कर दी और वहां से फरार हो गई. पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार रात की है और पुलिस ने आरोपी महिला प्रतीक्षा शिंगारे परभणी शहर से गिरफ्तार कर लिया.

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष नोपानी ने बताया कि प्रतीक्षा का विवाह 6 माह पहले आकाश शिंगारे से हुआ था. आकाश लातूर में एक निजी कंपनी में काम करता है और महिला अपनी सास सविता शिंगारे (45) के साथ जालना की प्रियदर्शनी कॉलोनी में किराए के मकान में रहती थी.

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में जल संकट

21 गांवों में टैंकरों से पहुंचाया जा रहा पानी

संभाजीनगर. गर्मियों की तपिश के साथ ही महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में पानी की किल्लत गहराने लगी है. हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि सरकार को पीने के पानी की आपूर्ति के लिए 70 निजी कुओं का अधिग्रहण करना पड़ा है. प्रशासन के अनुसार, मराठवाड़ा के 3 जिलों में कुल 62 गांवों को पेयजल संकट से राहत देने के लिए यह कदम उठाया गया है.

एजेंसी के मुताबिक, वर्तमान में 21 गांवों और 3 बस्तियों में पानी की आपूर्ति टैंकरों के माध्यम से की जा रही है. इन प्रभावित इलाकों में कुल 19 टैंकरों की तैनाती की गई है, जिनमें से 17 छत्रपति संभाजीनगर जिले में और 2 नांदेड़ जिले में पानी पहुंचा रहे हैं. मराठवाड़ा के जिन जिलों में पानी की कमी सबसे ज्यादा महसूस की जा रही है, उनमें छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़ और हिंगोली शामिल हैं. प्रशासन ने छत्रपति संभाजीनगर जिले में 34, हिंगोली में 15 और नांदेड़ में 21 निजी कुओं का अधिग्रहण किया है, ताकि स्थानीय लोगों को पीने के पानी की पर्याप्त आपूर्ति की जा सके. हर साल गर्मी के मौसम में मराठवाड़ा क्षेत्र में सूखे जैसी स्थिति बन जाती है. पानी के स्रोत सूखने लगते हैं, जिससे गांवों में जल संकट खड़ा हो जाता है.

इस साल भी जल संकट को देखते हुए प्रशासन पहले से सतर्क हो गया है और प्रभावित गांवों में टैंकरों की मदद से पानी पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इस गंभीर स्थिति के मद्देनजर, महाराष्ट्र सरकार अन्य संभावित जल स्रोतों की भी पहचान कर रही है, ताकि आने वाले दिनों में पानी की समस्या से न जूझना पड़े. इसके अलावा, जल संरक्षण योजनाओं पर भी तेजी से काम किया जा रहा है, ताकि भविष्य में इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय रहते जल संरक्षण के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है.

अब श्री सिद्धिविनायक भाग्यलक्ष्मी योजना होगी शुरू

बच्ची के जन्म लेते ही मिलेंगे 10 हजार

मुंबई. श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास ने एक नई योजना शुरू करने का प्रस्ताव रखा है. इस योजना का नाम 'श्री सिद्धिविनायक भाग्यलक्ष्मी' है. यह योजना उन नवजात बालिकाओं के लिए है जो 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सरकारी अस्पतालों में जन्म लेंगी. इसका मकसद 'लेक वाचवा, लेकीला शिकवा' (बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ) जैसे सरकारी प्रयासों को समर्थन देना है. न्यास बालिकाओं के विकास के लिए उनके नाम पर 10,000 रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट करेगा.

कब हुआ फैसला ?: श्रीसिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास की विश्वस्त समिति की बैठक 31 मार्च 2025 को हुई थी. बैठक की अध्यक्षता सदानंद सरवणकर ने की. न्यास का 2024-25 का वार्षिक विवरण और 2025-26 का बजट भी इस बैठक में पेश किया गया. न्यास को 114 करोड़ रुपये की आय होने की उम्मीद थी, लेकिन वास्तव में 133 करोड़ रुपये की आय हुई. न्यास ने बताया कि पिछले साल की तुलना में न्यास की आय में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

गुड़ी पड़वा पर सोने-चांदी की नीलामी: मंदिर ट्रस्ट के एक अधिकारी ने बताया कि लड्डू और नारियल वडी (चीनी के स्वाद वाली कुरकुरी नारियल वडी) की बिक्री पिछले वित्त वर्ष (2023-24) की तुलना में 32 प्रतिशत बढ़ी है. मंदिर ट्रस्ट हर दिन भक्तों को लगभग 10,000 लड्डू वितरित करता है.

लड़कियों के जन्म को प्रोत्साहित करना है मकसद

श्रीसिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास लड़कियों के जन्म को प्रोत्साहित करना चाहता है. वे उनकी शिक्षा के लिए आर्थिक मदद भी करना चाहते हैं. यह प्रस्ताव सरकार की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा. इस योजना के तहत जन्म लेने वाली बच्ची के नाम पर 10,000 रुपये की राशि उसकी मां के खाते में जमा की जाएगी. यह पैसा फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में होगा.

सिद्धिविनायक मंदिर की आय बढ़ी

मुंबई में भगवान गणेश के प्रसिद्ध मंदिर का प्रबंधन करने वाले सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट की आय पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 133 करोड़ रुपये हो गई. अधिकारियों ने बताया कि आय वृद्धि में सबसे ज्यादा योगदान भक्तों द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे का रहा. इसके अलावा, पूजा और अन्य अनुष्ठानों से 20 करोड़ रुपये की आय हुई. उन्होंने बताया कि मंदिर को दान पेटियों, ऑनलाइन भुगतान, अनुष्ठानों, प्रसाद की बिक्री और सोने-चांदी की नीलामी सहित कई स्रोतों से आय हासिल हुई.

फास्ट ट्रैक

मोबाइल पर गाली...

भिवंडी में भिड़े 2 परिवार, तीसरे का नुकसान

ठाणे. मुंबई से सटे ठाणे जिले से 2 परिवारों के बीच लड़ाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में 2 परिवार के लोग जमकर लड़ाई कर रहे हैं, लेकिन तभी कुछ ऐसा होता है जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद नहीं की थी. अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है लोग मजे भी ले रहे हैं. आप ने आपसी लड़ाई-झगड़े के तमाम घटनाएं देखी होंगी, लेकिन महाराष्ट्र के ठाणे जिले में आने वाले भिवंडी से अजीबोगरीब घटना सामने आई है. दो परिवारों के बीच एक गाली के चलते ठन गई. परिवार के सदस्यों के बीच ऐसी लड़ाई हुई तीसरे का नुकसान हो गया. लड़ाई के बीच में मकान की छत टूट गई है. फिर क्या सभी नीचे गिर जाते हैं. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सामने आया है कि बाद में लड़ाई कर रहे लोगों को छत का हर्जाना भरना पड़ा. इस वीडियो को देखकर आपकी हंसी भी छूट जाएगी. ठाणे के भिवंडी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा है.

मुंबई में ड्रोन उड़ाने पर लगा बैन

VVIP लोगों को निशाना बनाए जाने का खतरा

मुंबई. मुंबई पुलिस ने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है. पुलिस ने एक महीने की अवधि के लिए ड्रोन, रिमोट-कंट्रोल माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट, पैरा ग्लाइडर और हॉट एयर बैलून उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है. पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को इस संबंध में जानकारी दी है. ये प्रतिबंध 4 अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा.एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी निषेधाज्ञा 4 अप्रैल से 5 मई तक लागू रहेगी.

आतंकियों और असामाजिक तत्वों से लोगों की सुरक्षा को लेकर खतरे की आशंका है. फ्लाइंग ऑब्जेक्ट पर बैन को लेकर आदेश को न मानने पर सख्त कार्रवाई की बात कही गई है.

बर्थ सर्टिफिकेट में सिर्फ मां का नाम दर्ज हो, पिता का नहीं

महिला की याचिका पर मुंबई हाईकोर्ट भी हैरान

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट में एक महिला ने याचिका दायर कर ऐसी अजीब मांग कर दी, जिसे सुनकर जज भी हैरान हो गए. दरअसल एक महिला ने याचिका दायर कर अपने बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट से अपने पति का नाम पिता के तौर पर दर्ज नहीं करने की डिमांड की थी. महिला का कहना था कि सिर्फ उसका नाम ही सिंगल मदर के तौर पर बर्थ सर्टिफिकेट में दर्ज किया जाए. हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ के जस्टिस मंगेश पाटिल और वाई जी खोबरागड़े ने याचिकाकर्ता को खूब सुनाया, फिर याचिका खारिज करते हुए पांच हजार रुपये का जुर्माना ठोक दिया.

'औरंगजेब, जो हम मराठों को समाप्त करने आया था, उसे यहीं गाड़ा गया है'

छत्रपति संभाजीनगर में MNS ने लगाए पोस्टर

छत्रपति संभाजीनगर. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में औरंगजेब की कब्र को लेकर एक अनोखा अभियान शुरू किया है. शहर के अलग-अलग हिस्सों में मनसे ने बैनर लगाए हैं, जिनमें औरंगजेब की कब्र की दूरी को किलोमीटर में दर्शाया गया है. यह कब्र खुल्दाबाद में स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर है.

मनसे का कहना है कि यह अभियान इसलिए चलाया जा रहा है ताकि लोगों को पता चले कि ₹मराठों पर हमला करने वाला दुश्मन कहां गाढ़ा गया है.₹ मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने हाल ही में गुडी पडवा के मौके पर आयोजित सभा में कहा था, ₹औरंगजेब, जो हम मराठों को खत्म करने आया था, उसे यहीं गाढ़ा गया है. यह इतिहास हर किसी को जानना चाहिए. हमारी अगली पीढ़ी के हर युवा को, हर स्कूली बच्चे को यह बात पता होनी चाहिए.₹ इसी बात को आगे बढ़ाते हुए मनसे ने शहर में यह बैनर अभियान शुरू किया है.

बैनर में क्या लिखा है?

मनसे द्वारा लगाए गए बैनरों में शहर के प्रमुख स्थानों से खुल्दाबाद में स्थित औरंगजेब की कब्र तक की दूरी को साफ-साफ दर्शाया गया है. इन बैनरों का मकसद लोगों में यह जागरूकता फैलाना है कि औरंगजेब, जिसे मराठा इतिहास में एक क्रूर शासक के तौर पर देखा जाता है, उसी महाराष्ट्र की धरती पर दफन है.छत्रपति संभाजीनगर के मनसे जिला अध्यक्ष सुमित खम्बेकर ने कहा, ₹हमने ये बैनर इसलिए लगाए हैं ताकि हर किसी को पता चले कि हम पर हमला करने वाला दुश्मन कहां गाढ़ा गया है. यह हमारा इतिहास है और इसे सबको जानना चाहिए. हमारी पार्टी इस बात को लेकर प्रतिबद्ध है कि लोग अपने इतिहास से जुड़े रहें और उसे भूलें नहीं.₹

विवादों में औरंगजेब की कब्र

औरंगजेब की कब्र पहले भी कई बार विवादों में रही है. कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने इसे हटाने की मांग की है, जबकि यह एक संरक्षित स्मारक है, जिसकी देखरेख भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) करता है.

एक्शन हथियारों के साथ 5 शूटर पकड़े, बड़े बिजनेसमैन पर हमले की थी तैयारी

मुंबई में बड़ी साजिश की गई नाकाम

मुंबई. मुंबई में क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल (AEC) ने बीते 29 मार्च को अंधेरी स्थित एक होटल से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है. पुलिस को शक है कि ये सभी आरोपी उत्तर भारत के एक गैंग से जुड़े हैं और मुंबई में किसी बड़े उद्योगपति और अन्य व्यक्तियों पर हमले की तैयारी में थे. पुलिस ने होटल में छापा मारते हुए आरोपियों के कब्जे से सात देसी पिस्तौल, 21 जिंदा कारतूस और दो सिम कार्ड बरामद किए हैं. हालांकि पुलिस ने अब तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि किस व्यक्ति पर हमले की साजिश रची जा रही थी. इस मामले की जांच तेज कर दी गई है.

पुलिस ने जिन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान विवेक कुमार गुप्ता, सुमित कुमार दिलावर, विकास दिनेश ठाकुर उर्फ विक्की, देवेन्द्र सक्सेना और श्रेयस यादव के रूप में हुई है. विवेक गुप्ता राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है, जबकि सुमित कुमार हरियाणा के सोनीपत से ताल्लुक रखता है. विकास उर्फ विक्की यूपी के गोरखपुर का रहने वाला है. वहीं देवेन्द्र सक्सेना मध्य प्रदेश के इंदौर का निवासी है और श्रेयस यादव बिहार के गोपालगंज का रहने वाला है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से कुछ पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं. विकास ठाकुर उर्फ विक्की के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सेंधवा में अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज है. वहीं, सुमित कुमार दिलावर पर हरियाणा में हत्या के प्रयास, शारीरिक हमला, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं. इनका क्राइम रिकॉर्ड देखते हुए पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनका नेटवर्क कितना बड़ा है और इनके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं.

होटल में हथियारों के साथ पहुंचे थे आरोपी

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुंबई में किसी नामी बिजनेसमैन और अन्य लोगों पर हमला करने के लिए आए थे. हालांकि पुलिस ने इस बारे में जानकारी साझा नहीं की है कि उनका टारगेट कौन था. इस पूरे ऑपरेशन में मुंबई पुलिस की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने भूमिका निभाई और गुप्त सूचना के आधार पर इन संदिग्धों को होटल से गिरफ्तार किया. पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपी हथियारों के साथ मुंबई में एक ठिकाने पर शरण लिए हुए थे और हमले को अंजाम देने की फिराक में थे.गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने होटल के आसपास की गतिविधियों की भी जांच शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस साजिश में और कौन लोग शामिल हो सकते हैं. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों को ये हथियार कहां से मिले और क्या मुंबई में इनके कोई अन्य साथी भी हैं जो अब भी फरार हैं. फिलहाल पांचों आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस उनकी पूरी आपराधिक पृष्ठभूमि खंगालने में जुटी हुई है.

अली और जैस्मीन करेंगे शादी ?

अली गोनी और जैस्मीन भसीन टीवी के मोस्ट पॉपुलर कपल हैं. बिग बॉस 14 के दौरान इस जोड़ी को एक दूसरे से प्याप हो गया था. जैस्मीन और एली के रिलेशनशिप को अब लगभग पांच साल हो गए हैं और फैंस इस जोड़ी के शादी के बंधन में बंधने का इंतजार कर रहे हैं. फाइनली जैस्मिन और अली की एक फ्रेंड ने खुलासा कर दिया ह कि आखिर ये जोड़ी कब शादी करेगी?

अली और जैस्मिन कब शादी कर रहे है ये जानने के लिए उनके फैंस बेकरार हैं. वहीं अब दिव्यांका त्रिपाठी के शो ये हैं मोहब्बतें में अहम भूमिका निभाने वाली कृष्णा मुखर्जी ने इस बारे में खुलासा किया है. कृष्णा मुखर्जी अली की बेस्टी हैं. रश पर रुच के पॉडकास्ट पर आईं कृष्णा ने हिंट दिया कि जैस्मिन और अली इस साल 2025 या 2026 तक शादी के बंधन में बंध सकते हैं.उन्होंने कहा,₹इस साल हो रही है, या फिर अगले साल हो रही है उनकी शादी, दोस्तों. इस साल हो रही है, एंड तक हो जायेगी.

बता दें कि ये है मोहब्बतें के सेट पर मिलने के बाद कृष्णा और अली के बीच काफी अच्छा बॉन्ड बन गया था. अली ने शो में 'रोमी भल्ला' का किरदार निभाया था. जबकि कृष्णा ने 'आलिया भल्ला' का किरदार निभाया था. दोनों की बॉन्डिंग साल दर साल और स्ट्रॉन्ग होती जा रही है.

टेरेंस लुईस ने रियलिटी शोज को बताया स्क्रिप्टेड

टेरेंस लुईस बॉलीवुड के मोस्ट पॉपुलर कोरियोग्राफर एक हैं. वे छोटे पर्दे पर कई डांस रियलिटी शोज में जज के तौर पर नजर आ चुके हैं. वहीं टेरेंस ने एक इंटरव्यू में रियलिटी शो के बारे में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए माना कि ये अक्सर स्क्रिप्टेड होते हैं.

इतना ही नहीं उन्होंने अनस्क्रिप्टेड कम्प्टीशन के पीछे की सच्चाई को भी उजागर किया और खुलासा किया कि टेलीविजन दर्शकों के लिए जान-बूझकर कुछ खास मोमेंट बनाए जाते हैं. टेरेंस को चेन्नई एक्सप्रेस के प्रमोशन के दौरान डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स में दीपिका पादुकोण के साथ डांस करते हुए उनकी एक पुरानी तस्वीर दिखाई गई थी.क्योंकि हकीकक ये है कि ये पहले से ही प्लान किए जाते हैं.

टेरेंस ने आगे कहा,₹बहुत से लोग मानते हैं कि हम डांस करना चाहते हैं, लेकिन रियलिटी ये है कि हमें इन पलों को बनाने के लिए कहा जाता है. इसलिए जब आप पूछते हैं कि क्या चीजें स्क्रिप्टेड होती हैं तो में से हां, गेस्ट्स और कंटेस्टेंट्स के इंटरेक्शन पहले से प्लान्ड होता है. हालांकि, डांस, जजमेंट, टैलेंट और कमेंट्स ऑथेंटिक रहते हैं. लेकिन कुछ भी जो एक ग्रेट प्रोमो मोमेंट बनाता है? वह स्क्रिप्टेड होता है. दीपिका के साथ वायरल डांस को याद करते हुए, उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें स्टेड पर एक ड्रामैटिक मोमेंट बनाने के लिए कहा गया था. एक्ट्रेस को इसके बारे में पता नहीं था, और उन्हें रियलटाइम में इम्प्रोवाइज करना पड़ा. उन्होंने कहा, टेलीविजन माफ नहीं करता. इसमें न तो समय है और न ही बजट है. रियलिटी शो ट्रॉप को लेकर टेरेंस ने कहा, मेल जज अभिनेत्रियों को मंच पर लाने में मदद करते हैं. टेरेंस ने इसे ₹पूरी तरह से स्क्रिप्टेड₹ कहा. उन्होंने क्लियर किया, ₹मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा. अपने आठ साल के जजिंग में, मैंने कभी किसी कंटेस्टेंट या सेलिब्रिटी को इस तरह स्टेज पर इनवाइट नहीं किया.

बरखा बिष्ट ने एक्स पति पर लगाए थे धोखा देने के आरोप

टीवी एक्ट्रेस बरखा बिष्ट इन दिनों खबरों में बनी हुई हैं. उन्होंने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बातें की थीं. बरखा ने अफेयर से लेकर शादी पर रिएक्ट किया. बरखा ने बताया था कि इंद्रनील ने उन्हें धोखा दिया था. कपल ने 14 साल की शादी तोड़ दी थी. 2022 में उनका तलाक हो गया था. अब बरखा के साथ फेल्ड मैरिज पर रिएक्ट किया है. इंद्रनील ने कहा कि तलाक ने उन्हें पॉजिटिवली चेंज कर दिया था. Sanghmitra Hitaishi के पॉडकास्ट में इंद्रनील सेनगुप्ता ने कहा कि बरखा संग तलाक ने उन पर पॉजिटिव प्रभाव डाला. सेपरेशन के बाद उन्होंने पर्सनल ग्रोथ एक्सपीरियंस की. उन्होंने कहा, 'कुछ लोग बरखा संग तलाक को फेलियर के तौर पर देख सकते हैं. लेकिन मैं इसे सक्सेसफुल 13 साल के तौर पर देखता हूं. बरखा और मैंने अच्छे मोमेंट शेयर किए और चैलेंजिंग समय भी देखा.' इंद्रनील ने कहा, 'मैं अपनी शादी को फेलियर नहीं कहूंगा. कभी कभी पर्सनैलिटीज बदल जाती हैं. हम पहले दिन से अलग लोग थे. जैसे जैसे समय निकला हम खुद में घुसते चले गए. मैं फेलियर शब्द से इत्तेफाक नहीं रखता. कुछ भी फेल नहीं हुआ.'

अक्षय की 'केसरी 2' का ट्रेलर रिलीज

अक्षय कुमार की 'केसरी चैप्टर 2' साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. इस फिल्म के टीजर और लुक आउट पोस्ट के बाद फैंस इसके ट्रेलर की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. फाइनली मेकर्स ने 'केसरी चैप्टर 2' का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज कर दिया है जिसमें जलियावाला बाग के खौफनाक कांड का मंजर देख आप सिहर जाएंगे.

केसरी चैप्टर 2 का ट्रेलर 3 अप्रैल को जारी किया गया है. इसमें भारत की सबसे महत्वपूर्ण कानूनी लड़ाई में से एक की झलक दिखाई गई है. सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म, जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की घटनाओं और एक वकील और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी शंकरन नायर के नेतृत्व में न्याय की लड़ाई पर बेस्ड है.

ट्रेलर की शुरुआत 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में हुई गोलीबारी की एक झलक के साथ होती है. इसके बाद फिल्म में सर सीएस नायर की भूमिका निभा रहे अक्षय कुमार नजर आते हैं वे अदालत में जनरल डायर से सवाल-जवाब करते दिखते हैं.कोर्ट में खड़े अक्षय सवाल करते हैं जनरल डायर आपने जलियांवाला बाग से भीड़ को हटाने के लिए वार्निंग कैसे दी? क्या आपने टियर गैस फेंकी वहां या हवा में गोली चलाई. इस पर जनरल डायर कहते हैं नहीं. इस पर अक्षय कहते हैं तो आपने बिना वॉर्निंग दिए भीड़ पर गोली चला दी ये सुनकर जनरल डायर कहते हैं कि वो भीड़ नहीं टेररिस्ट थे.

भयानक और खतरनाक है 'छोरी 2' का ट्रेलर

'राजा नै छोरा चाहिए था, और...', इस तरह की बातें आपने पहले भी सुनी होंगी. लेकिन बेटियों के जन्म पर दुखी होने वालों की एक ऐसी ही कहानी लेकर नुसरत भरुचा आ रही हैं. नुसरत भरुचा की अपकमिंग फिल्म 'छोरी 2' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. अक्सर मेकर्स फिल्मों और सीरियल्स के जरिए इस कड़वे सच को सभी के सामने पेश करते रहे हैं कि कैसे कई जगह लड़कियां पैदा होने पर उन्हें जन्म के तुरंत बाद मौत की नींद सुला दिया जाता था. 'छोरी 2' इसी कहानी को खौफ और डर के साथ सभी को दिखाने वाली है.

नुसरत भरूचा के अलावा फिल्म में खतरनाक और अहम किरदार सोहा अली खान ने निभाया है. सोहा को लंबे वक्त बाद किसी फिल्म में देखा जाएगा. 'छोरी 2' को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट किया है. इस हॉरर-थ्रिलर फिल्म का ट्रेलर आपको खौफ का एहसास करवाएगा. ट्रेलर की शुरुआत में एक महिला एक छोटी बच्ची को कहानी सुनाती हुई नजर आती है. वो बच्ची से कहती है,"एक घंणा बड़ा राज्य था. उसका एक राजा था. एक दिन उसके घर पर छोरी का जन्म होया. राजा गुस्सा हो गया." इसी बीच बच्ची पूछती है, 'गुस्सा क्यों?' महिला आगे बताती है कि क्योंकि राजा नै छोरा चाहिए था, छोरी तो कति न. इसके बाद शुरू होता है डर का एहसास कराने वाले नजारे.

पंचायत सीजन 4 का ऐलान

पंचायत के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है. प्राइम वीडियो ने पंचायत सीजन 4 का ऐलान कर दिया है. ये सीरीज 2020 में शुरू हुई थी. अब इस सीरीज के पांच साल पूरे हो गए हैं. इस खुशी में मेकर्स ने फैंस को चौथे सीजन की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है.

2 जुलाई से पंचायत 4 प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी. एक बार फिर से गांव की वही दिल छू लेने वाली कहानी और अपने पसंदीदा किरदारों का मजेदार सफर देखने को मिलेगा.

तीन अवॉर्ड विनिंग और जबरदस्त तारीफें बटोरने वाले सीजन के बाद पंचायत ने खुद को फैंस की फेवरेट सीरीज बना लिया है. इसकी सिंपल लेकिन दिल से जुड़ने वाली कहानी, शानदार एक्टिंग और गांव की प्यारी दुनिया ने सबका दिल जीत लिया.अब सीजन 4 में और भी ज्यादा ड्रामा, ठहाके और इमोशनल मोमेंट्स मिलने वाले हैं, जो फुलेरा की इस दुनिया को फैंस के और करीब ले आएंगे.

बता दें कि पंचायत 4 में जीतेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सान्विका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा जैसे स्टार्स नजर आएंगे.

पंचायत एक कॉमेडी-ड्रामा है. इसमें अभिषेक की कहानी दिखाई गई है.अभिषेक जो एक इंजीनियरिंग है. उनकी यूपी के एक दूर-दराज गांव में पंचायत ऑफिस के सेक्रेटरी की नौकरी लग जाती है. गांव में वो कैसे खुद को एडस्ट करते हैं और गांववालों की परेशानियों को कैसे हल करते हैं. ये सीरीज में दिखाया गया. अब आने वाले सीजन में देखिए कैसे अभिषेक, प्रधान जी और फुलेरा के प्यारे लोग नई चुनौतियों से जूझते हैं.

बता दें कि पंचायत सीजन 4 को द वायरल फीवर ने प्रोड्यूस किया है. दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने बनाया है. चंदन कुमार ने इसकी कहानी लिखी है. दीपक कुमार मिश्रा और अक्षत विजय-वर्गीय ने डायरेक्ट किया है.

करीना की फिटनेस का राज

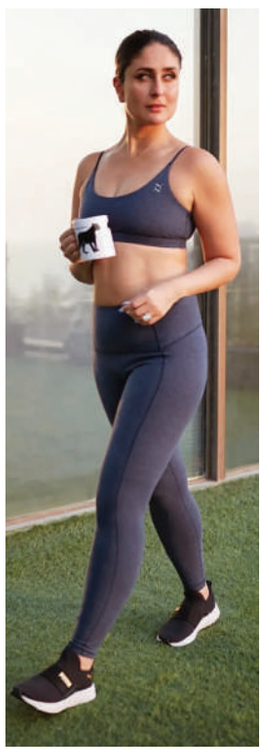

करीना कपूर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं. वो अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखती हैं. करीना अपनी डाइट का खास ध्यान रखती हैं और एक्सरसाइज भी मिस नहीं करती हैं. करीना कपूर 44 साल की उम्र में फिटनेस आइकन हैं. बेबो इतनी ज्यादा फिट हैं कि उन्हें देखकर कोई नहीं कह सकता है कि वो दो बच्चों की मां हैं. वो अपनी फिटनेस का बहुत ज्यादा ध्यान रखती हैं. इस बारे में उन्होंने खुलासा किया है.करीना ने हाल ही में रजुता दिवेकर की बुक लॉन्च पर अपनी फिटनेस और ब्यूटी सीक्रेट बताए. करीना ने कहा- उन्हें सिंपल और घर का बना खाना पसंद है. वो रोजाना वेट ट्रेनिंग करती हैं.

करीना ने कहा-स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, थोड़ा टहलना, सूर्य नमस्कार करना और स्किन ट्रीटमेंट और बोटोक्स के बजाय अपने छोटे-मोटे काम करना है.

करीना ने अपनी डाइट के बारे में बात करते हुए कहा कि वो बहुत फूडी हैं. वो घर का बना खाना खाती हैं. बेबी और सैफ दोनों ने ही अब खाना बनाना शुरू कर दिया है.

सिकंदर की बॉक्स ऑफिस पर धूम

सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार कमाई से पूरे देश में तहलका मचा रहा है.दर्शकों का दिल जीतते हुए, इस फिल्म को जबरदस्त प्यार मिल रहा है.बॉक्स ऑफिस पर तूफान की तरह आने के बाद, यह फिल्म अब भी मजबूत बनी हुई है और अब तक इसने दुनिया भर में कुल 158.5 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो सलमान खान के स्टारडम की ताकत को दर्शाता है।

सलमान खान और साजिद नाडिया-डवाला की फिल्म सिकंदर को रिलीज हुए चार दिन हो चुके हैं और फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर बढ़त हासिल कर रही है.दूसरे दिन ही 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद, फिल्म अब दुनिया भर में 158.5 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। यह वास्तव में बॉक्स ऑफिस पर एक अविश्वसनीय रन है.अभूतपूर्व पैमाने पर पायरेसी का सामना करने के बावजूद, सलमान खान के अटूट स्टारडम की बदौलत फिल्म अप्रभावित रही.सिकंदर के निर्माताओं ने पायरेसी को फिल्म उद्योग के लिए खतरा बताया है।

सलमान खान बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं, उनके साथ सिकंदर में खूबसूरत रश्मिका मंदाना भी हैं.दूरदर्शी साजिद नाडियाडवाला द्वारा समर्थित और मास्टर स्टोरीटेलर एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित, यह फिल्म आपके नजदीकी सिनेमाघरों में सफ-लतापूर्वक चल रही है।

'कांतारा चैप्टर 1' की रिलीज डेट का ऐलान

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी और अब इस फिल्म का प्रीक्वल रिलीज होने के लिए तैयार है. कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर ये खबरें वायरल हो रही थीं कि ऋषभ शेट्टी की कांतारा पोस्टपोन हो रही है. लेकिन निर्माताओं ने बड़े ही अनोखे अंदाज में ये कन्फर्म किया है कि 'कांतारा चैप्टर 1' पोस्टपोन नहीं हो रही है और साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है. 'कांतारा चैप्टर-1' इसी साल 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. 2022 की ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद मास्टरमाइंड ऋषभ शेट्टी ने 'कांतारा' के प्रीक्वेल लिए पूरी ताकत झोंक दी है. 500 से अधिक ट्रेन फाइटर्स, 3000 लोगों की एक बड़ी कास्ट, नेशनल और इंटरनेशनल एक्सपर्ट के साथ फिल्माए गए बेहतरीन एक्शन सीन इस फिल्म में देखने मिलने वाले हैं.

कांतारा: चैप्टर 1' की कहानी कोस्टल कर्नाटक के कदंब काल पर आधारित है. कदंब, लंबे समय से कर्नाटक के कुछ हिस्सों के शासक थे और उन्होंने इस क्षेत्र की वास्तुकला और संस्कृति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उस काल को भारतीय इतिहास का स्वर्णिम काल माना जाता है.फिल्म में ऋषभ शेट्टी न केवल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन भी किया है. साल 2023 में शेट्टी ने घोषणा की थी कि दर्शकों ने जो 'कांतारा' में देखा वो इस फिल्म का पार्ट 2 था और इस फिल्म के बाद जो आगे रिलीज होगा, वो 'कांतारा' का प्रीक्वल होगा. ऋषभ ने 'कांतारा चैप्टर 1' का ऐलान करते हुए कहा था कि,हम बहुत ज्यादा खुश हैं कि लोगों ने इस फिल्म को पसंद किया है. हम हमेशा उनके शुक्रगुजार रहेंगे, जिन्होंने 'कांतारा' को अपार प्यार और समर्थन दिया. फिल्म ने सफ-लतापूर्वक 100 दिन पूरे कर लिए हैं, और मैं इस अवसर पर 'कांतारा' के प्रीक्वल की घोषणा करना चाहता हूं. आपने जो देखा है वह वास्तव में भाग 2 है, भाग 1 अगले साल आएगा.

माधवन की 5 शानदार फिल्में

आर माधवन अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं. वो बॉलीवुड के साथ साउथ में भी खूब फेमस हैं. उन्हें इंडस्ट्री में कई साल हो चुके हैं. आर माधवन ने रोमांटिक से लेकर क्राइम तक कई फिल्में की हैं.आर माधवन की फैन फॉलोइंद बहुत तगड़ी है. उनकी कोई भी फिल्म आती है तो वो बॉक्स ऑफिस पर छा जाती है. अगर आप भी आर माधवन के बड़े फैन हैं तो उनकी 5 शानदार फिल्मों के बारे में बताते हैं जिन्हें वीकेंड पर आप ओटीटी पर देख सकते हैं.

आर माधवन और दिया मिर्जा की ये बेस्ट फिल्मों में से एक है. ये क्लासिक कल्ट फिल्म है जिसे कभी भी देखा जा सकता है. इसके गानों से लेकर स्टोरी तक हर किसी के लोग फैन हैं. रहना है तेरे दिल में को लोग एक नहीं बल्कि कई बार देख चुके हैं. इस वीकेंड पर सुकून से कोई फिल्म देखना चाहते हैं तो ये देख डालिए. रहना है तेरे दिल में को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.माधवन रोमांस के साथ लोगों को बखूबी डरा भी सकते हैं. अजय देवगन के साथ उनकी फिल्म शैतान आई थी. जिसमें वो लोगों को काफी डराते हुए नजर आए थे. शैतान ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी. इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं. आर माधवन और विजय सेतुपति की फिल्म विक्रम वेधा साल 2017 में आई थी. ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. बॉलीवुड में ऋतिक रोशन और सैफ अली खान के साथ इस फिल्म का रीमेक बनाया गया था मगर वो चल नहीं पाई. आर माधवन की विक्रम वेधा को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

बेहद खूबसूरत हैं इन 10 बॉलीवुड एक्ट्रेसेस की मां

सिर्फ हिंदी सिनेमा की एक्ट्रेसेस ही नहीं, उनकी मम्मा भी बेहद खूबसूरत हैं. आइए आपको एक्ट्रेसेस की मम्मा से मिलवाते हैं और उनके बारे में बताते हैं.आलिया भट्ट की मम्मा सोनी राजदान एक्ट्रेस और फिल्म डायरेक्टर हैं. सोनी ने 'सारांश' और 'राजी' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है.कृति सेनन की मम्मा डॉ. गीता सेनन दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं.भूमि पेडनेकर की मम्मा का नाम सुमित्रा पेडनेकर है. भूमि के पिता सतीश पेडनेकर का निधन धूम्रपान संबंधी बीमारी के कारण हुआ था इसलिए सुमित्रा धूम्रपान विरोधी कार्यकर्ता बन गईं.करीना और करिश्मा की मम्मा बबीता कपूर एक्ट्रेस थीं. उन्होंने शादी के बाद फिल्में छोड़ दी थीं. हालांकि, रणधीर कपूर से अलग होने के बाद उन्होंने करीना और करिश्मा को पालने के लिए अलग-अलग नौकरियां जरूर की थीं.आशिमा शर्मा होममेकर हैं. अनुष्का की मम्मा लाइमलाइट से दूर रहती हैं.

अमेरिका से भारत खरीदे अनाज

क्या टैरिफ का होगा असर

नई दिल्ली. अमेरिका और भारत के बीच कृषि व्यापार में टैरिफ एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। अमेरिका ने भारत पर 26% का रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किया है, जबकि अन्य देशों पर इससे भी अधिक शुल्क लगाया गया है। अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी के अनुसार, यह शुल्क वृद्धि भारतीय निर्यातकों के लिए सीमित प्रभाव वाली होगी, क्योंकि प्रतिस्पर्धी देशों पर उच्च शुल्क लगाए गए हैं। वर्तमान में, वियतनाम पर 46%, बांग्लादेश पर 37%, थाइलैंड पर 36% और इंडोनेशिया पर 32% शुल्क लगाया गया है। इस संदर्भ में, भारत को उच्च कर वाले प्रतिस्पर्धियों द्वारा खाली किए गए स्थानों में संभावित रूप से बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का अवसर मिल सकता है.रेसिप्रोकल टैरिफ के लागू होने से भारतीय निर्यातकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि शुल्क वृद्धि से निर्यात लागत बढ़ेगी, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस कदम से भारत की जीडीपी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे यह लगभग 50 बेसिस पॉइंट्स तक प्रभावित हो सकती है.यदि भारत और अमेरिका संतुलित व्यापार नीति पर सहमत होते हैं, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। इससे व्यापार संबंध मजबूत होंगे और दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को फायदा होगा। इसलिए,दोनों देशों को आपसी समझौते के माध्यम से इस मुद्दे का समाधान निकालने की आवश्यकता है.

भारतीय किसानों पर संभावित असर

अगर भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाता है, तो सस्ते अमेरिकी उत्पाद भारतीय बाजार में अपनी पकड़ बना सकते हैं. इससे भारतीय किसानों को भारी नुकसान हो सकता है, क्योंकि अमेरिका अपने किसानों को भारी सब्सिडी देता है. भारतीय कृषि करीब 70 करोड़ लोगों की रोज़ी-रोटी का जरिया है, और सस्ते आयात से उनकी आय प्रभावित हो सकती है.

कम हो सकते है गोल्ड के दाम

नई दिल्ली. बीते कुछ दिनों से गोल्ड की कीमतों में लगातार तेजी की वजह से अनुमान लगाया जा रहा है कि सोने की कीमतें एक लाख रुपए के लेवल को जल्द ही छू लेगी. इसके संकेत देश के वायदा बाजार और दिल्ली सर्राफा बाजार में साफ देखने को मिले हैं. देश के वायदा बाजार में गोल्ड की कीमतें 91,400 रुपए के पार चली गई. वहीं दूसरी ओर देश की राजधानी दिल्ली में गोल्ड की कीमत 94 हजार के लेवल को पार चली गई हैं. दोनों जगहों पर सोने की कीमतें रिकॉर्ड लेवल पर है.

वहीं दूसरी ओर एक ऐसा अनुमान भी सामने आया है, जिसने गोल्ड मार्केट में हंगामा खड़ा हो गया है. एक अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने की कीमतें एक लाख तो छोड़िए गिरकर 55 हजार रुपए पर आ सकती हैं. इसका मतलब है कि सोने की कीमतें अपने पीक से 40 फीसदी नीचे आने का अनुमान लगाया जा रहा है.

मौजूदा साल में गोल्ड की कीमतों में करीब 20 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल चुकी है. फिर चाहे वो स्पॉट मार्केट हो या फिर वायदा बाजार. गोल्ड ने निवेशकों को कमाई कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी है.वहीं अब कंज्यूमर पर दबाव साफ देखने को मिल रहा है. हालांकि, अमेरिका के एक ऐनालिस्ट ने तीव्र गिरावट की भविष्यवाणी की है. अमेरिका स्थित मॉर्निंगस्टार के एनालिस्ट ने अगले कुछ वर्षों में 38 फीसदी की गिरावट का अनुमान लगाया है. 24 कैरेट सोने की कीमत भारतीय बाजारों में 90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब है और ग्लोबल मार्केट में 3,100 डॉलर से ज्यादा देखने को मिल रही है. लगभग 40 फीसदी की संभावित गिरावट इसे भारत में लगभग 55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक ला सकती है. अमेरिका स्थित मॉर्निंगस्टार के स्ट्रैटिजिस्ट जॉन मिल्स को उम्मीद है कि सोने की कीमतें मौजूदा 3,080 डॉलर प्रति औंस से गिरकर 1,820 डॉलर प्रति औंस हो जाएंगी, जो एक बड़ी गिरावट है.आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई की चिंताओं और जियो पॉलिटिकल टेंशन की वजह से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है.

सुकन्या समृद्धि योजना या म्यूचुअल फंड

बच्चों के निवेश के लिए कौन सा है आदर्श विकल्प?

नई दिल्ली. बच्चों की पढ़ाई का खर्चा लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में उनके हायर एजुकेशन के लिए एक अच्छा फंड तैयार करना बहुत जरूरी हो गया है. इसके लिए सबसे जरूरी यह कि आप पहले से ही अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड जुटाना शुरू कर दें. मार्केट में निवेश के कई ऑप्शन मौजूद है, जिनमें से कुछ आपके बच्चे के हायर एजुकेशन के लिए फंड जुटाने में मदद कर सकते हैं. आज हम आपको निवेश के दो ऑप्शन बताने जा रहे हैं जिसमें म्यूचुअल फंड की इक्विटी स्कीम और सुकन्या समृद्धि स्कीम है. चलिए आपको दोनों में अंतर बताते हैं.

आप म्यूचुअल फंड की किसी इक्विटी स्कीम में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश कर सकते हैं. इसमें आपको एक निश्चित अमाउंट आपके अकाउंट से हर महीने की एक निश्चित डेट में कटती है, जिसे आप अपने हिसाब से चुन सकते हैं.

अगर आप एसआईपी के जरिए किसी इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो आप हर साल 24 हजार रुपए का निवेश कर पाएंगे. अगर आप 20 साल के लिए निवेश करते हैं तो इसका टोटल कुल 4.80 लाख रुपए का निवेश कर सकेंगे. अगर आपके इस निवेश को सालाना आधार पर देखें तो 12 प्रतिशत तक का रिटर्न मिलता है तो 20 साल में आप अपने बच्चे के लिए 18.40 लाख रुपए का फंड जुटा लेंगे. आप सुकन्या समृद्धि स्कीम में भी निवेश कर सकते हैं. यह एक सरकारी स्कीम है. इसमें रिस्क नहीं होता है. हालांकि, सरकार समय-समय पर इसके रिटर्न इंटरेस्ट पर बदलाव करती रहती है. अभी के समय में हर साल 8.1 प्रतिशत के हिसाब से ब्याज मिलता है.

अगर आप इस स्कीम में 2 हजार रुपए हर महीने निवेश करते हैं तो आप हर साल 24 हजार रुपए का निवेश कर पाएंगे. इसी तरह से आप 20 साल में टोटल 4.80 लाख रुपए का निवेश कर पाएंगे. इसमें सालाना इंटरेस्ट 8.1 प्रतिशत है. इस हिसाब से 20 साल में 11.59 लाख रुपए का फंड जुटा पाएंगे.

पीपीएफ में नॉमिनी बदलाव पर शुल्क समाप्त

वित्त मंत्री ने दी राहत

नई दिल्ली. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि अब कस्टमर्स अपने पीपीएफ अकाउंट में बिना किसी चार्ज के अपने नॉमिनी में बदलाव कर सकते हैं. पहले इस बदलाव के लिए आपको 50 रुपए का शुल्क देना पड़ता था. इसको लेकर वित्त मंत्री ने एक पोस्ट किया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कि हाल ही में मुझे बताया गया कि वित्तीय संस्थाओं द्वारा पीपीएफ खातों में नामांकित व्यक्ति के डिटेल्स को अपडेट या फिर बदलने के लिए शुल्क लगाया जा रहा है.

अब सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में गजट अधिसूचना 02/4/25 के माध्यम से कुछ जरूरी बदलाव किए गए हैं.ताकि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्ति के अपडेट पर कोई भी शुल्क हटाया जा सके. उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में संसद में पारित बैंकिंग संशोधन विधेयक 2025 के नियमों के मुताबिक, अब कस्टमर्स के बैंक में पैसे, लॉकर के भुगतान के लिए 4 व्यक्तियों को नॉमिनी बनाने को मंजूरी देता है.

बता दें, कि नए बैंकिंग संशोधन विधेयक 2025 में सरकार की तरफ से कई सारे जरूरी बदलाव किए गए हैं. इसमें से एक बड़ा बदलाव महत्वपूर्ण हित की परिभाषा को लेकर भी किया गया है. पहले अगर किसी व्यक्ति का किसी बैंक में 5 लाख रुपए का निवेश होता था तो उसे महत्वपूर्ण हित माना जाता था.

एडवांस एग्रोलाइफ 135 करोड़ का IPO लाएगी

SEBI के पास ड्राफ्ट पेपर्स फाइल किए

मुंबई. जयपुर बेस्ड एग्रोकेमिकल प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड जल्द ही अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग लेकर आएगी। कंपनी ने 31 मार्च को सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी SEBI के पास ड्राफ्ट पेपर्स फाइल किए हैं। इस IPO का इश्यू साइज 135 करोड़ रुपए है। IPO में कंपनी 10 रुपए की फेस वैल्यू पर 1.92 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। एडवांस एग्रोलाइफ किसानों के लिए सॉल्यूशन प्रोडक्ट्स बनाती है जो क्रॉप की लाइफ साइकल को सपोर्ट करते हैं। कंपनी IPO से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल, अन्य कॉर्पोरेट यूज के लिए करेगी.इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व

इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व कंपनी ने IPO का 50% हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा है। इसके अलावा 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15% हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) के लिए रिजर्व है। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे.कंपनी के पास 404 जेनेरिक रजिस्ट्रेशन हैं, इसमें एग्रोकेमिकल के लिए 376 फॉर्मूलेशन ग्रेड रजिस्ट्रेशन और 28 टेकिनिकल ग्रेड रजिस्ट्रेशन शामिल हैं। एग्रोकेमिकल्स (कीटनाशक, फंगीसाइड) के बिजनेस में कंपनी का कॉम्पिटिशन धर्मज क्रॉप गार्ड, इंसेक्टिसाइ* इंडिया, हेरानबा इंडस्ट्रीज जैसी लिस्टेड कंपनियों से है.एक साल में 66.3% बढ़ा कंपनी का प्रॉफिट कंपनी को FY24 में 24.7 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (PAT) हुआ है। ये FY23 14.85 करोड़ रुपए था। कंपनी के मुनाफे में 66.3% की बढ़ोतरी हुई है।

सुशीला-सुजीत का ट्रेलर लॉन्च

रोमांचक क्षणों और आकर्षक संवादों पर आधारित फिल्म

18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज

नागपुर. स्वप्निल जोशी, सोनाली कुलकर्णी और प्रसाद ओक के साथ फीचर की गई फिल्म 'सुशीला-सुजीत' का नया ट्रेलर दर्शकों के उत्साह को नई ऊंचाइयों तक ले गया है. ट्रेलर में दिखाए गए रोमांचक दृश्यों को पहले ही दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है. यह ट्रेलर मंगलवार को एक भव्य समारोह में लॉन्च किया गया. ट्रेलर में फिल्म के उच्च निर्माण मूल्य, तीव्र प्रदर्शन, रोचक दृश्य और प्रभावशाली संवादों को उजागर किया गया है. यह फिल्म 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

ट्रेलर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म में कुछ रोमांचक और दिलचस्प होने वाला है. कहानी की शुरुआत एक मां के साथ होती है जो अपने बेटे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराने पुलिस के पास जाती है. पुलिस अधिकारी पूछता है कि क्या घर में कोई झगड़ा या बहस हुई थी. एक और दृश्य में पृष्ठभूमि में यह संवाद सुनाई देता है कि लड़के को 35 घंटे से लापता बताया जा रहा है.

इस बीच, स्वप्निल जोशी और सोनाली कुलकर्णी को एक घर में फंसा दिखाया गया है, जिनके फोन बाहर रह जाते हैं. वे बच निकलने के लिए विभिन्न प्रयास करते हैं, जैसे दरवाजा खोलने की कोशिश करना या गैलरी से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढना. हालांकि, चीजें तब मजाकिया मोड़ लेती हैं जब दरवाजे की कुंडी टूट जाती है और गैलरी से एक फूलदान गिरकर किसी के सिर पर लग जाता है. इसके बाद कई मजेदार और अजीबो-गरीब पल सामने आते हैं.

मुख्य पात्र स्वप्निल भी विभिन्न चिंताओं से परेशान है. इन पलों में तनाव और मनोरंजन के दृश्य हैं जहाँ सोनाली उसे तंग करती नजर आती है.इन सभी रोमांचक पलों को स्क्रीन पर प्रस्तुत किया गया है, जिससे दर्शकों में उत्सुकता बढ़ रही है. ट्रेलर के रिलीज होने के बाद से ही फैंस यह जानने के लिए बेताब हैं कि वे फिल्म कब देख सकते हैं.

फिल्म निर्माण : पञ्चशील एंटरटेनमेंट और बिग ब्रेन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, यह फिल्म पैनोरमा स्टूडियोज़ द्वारा वितरित की जाएगी. कहानी और निर्देशन प्रसाद ओक ने किया है, जबकि स्क्रीनप्ले और संवाद अजय कांबले ने लिखे हैं. फिल्म के निर्माता हैं प्रसाद ओक, मंजिरी ओक, स्वप्निल जोशी, संजय मेमाने और निलेश राठी. कच्चा लिम्बु, हिरकणी और चंद्रमुखी जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन करने के बाद प्रसाद ओक अब इस नई फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं. सुशीला-सुजीत शीर्षक ही इसकी विशिष्टता को दर्शाता है. इस फिल्म में कई 'पहली बार' देखने को मिलेंगी, विशेष रूप से स्वप्निल जोशी, सोनाली कुलकर्णी और प्रसाद ओक के बीच का सहयोग दर्शकों के लिए एक ताजगी भरा अनुभव लाने का वादा करता है. प्रसाद ओक ने कहा, फिल्म के रिलीज से पहले जो पोस्टर, प्रमोशनल गाने और टीज़र हमने जारी किए थे, उन्हें दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है. अब ट्रेलर के रिलीज के साथ उत्सुकता अपने चरम पर पहुंच गई है और हमें बेहतरीन प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं. स्वप्निल जोशी का जोड़ा यह फिल्म शुद्ध मनोरंजन की गारंटी देती है. ट्रेलर देखने के बाद इसमें कोई शक नहीं रहेगा.

चार्टर्ड अकाउंटेंट बैंकिंग में वित्तीय अखंडता के स्तंभ

बैंक शाखा लेखापरीक्षा संगोष्ठी में सीए स्वप्निल अग्रवाल ने कहा

नागपुर. चार्टर्ड अकाउंटेंट बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय अखंडता की रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करते हैं,₹ आईसी-एआई भवन, धंतोली, नागपुर में WIRC की ICAI नागपुर शाखा द्वारा आयोजित बैंक शाखा लेखापरीक्षा संगोष्ठी में सम्मानित मुख्य अतिथि और पूर्व अध्यक्ष सीए स्वप्निल अग्रवाल ने कहा. उन्होंने जोर दिया कि नियामक मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने, वित्तीय जोखिमों का पता लगाने और बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता की सुरक्षा के लिए वैधानिक बैंक ऑडिट महत्वपूर्ण हैं.

आईसीएआई नागपुर शाखा के अध्यक्ष सीए दिनेश राठी ने नई टीम का परिचय कराया और छात्रों से अनुरोध किया कि वे अकादमिक और व्यावसायिक असाइनमेंट दोनों के संदर्भ में बैंक ऑडिट का आनंद लें. सीए जितेंद्र सगलानी, क्षेत्रीय परिषद सदस्य और WICASA

WIRC के अध्यक्ष ने सदस्यों को कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से आईसीएआई की चल रही पहलों के बारे में जानकारी साझा की.डब्ल्यूआ-ईसीएएसए के अध्यक्ष सीए विनोद अग्रवाल ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और इस वर्ष किए जाने वाले WICASA गतिविधि के बारे में जानकारी दी. उन्होंने छात्रों से WI-CASA गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेने का अनुरोध भी किया. सेमिनार में बैंक शाखा ऑडिट के प्रमुख पहलुओं पर विशेषज्ञ चर्चाएँ हुईं. सीए श्रीनिवास जोशी, मुंबई ने बैंक ऑडिट में प्रमुख विचारों और सीए छात्रों के लिए सीखने के अवसर के रूप में बैंक ऑडिट का अवलोकन किया. सीए नीलेश जोश, मुंबई ने एनपीए जैसे विभिन्न तकनीकी शब्दों को व्यावहारिक रूप से सुलभ तरीके से कवर किया.सीए धनंजय गोखले, नागपुर ने सीबीएस ऑडिट में डेटा एनालिटिक्स पर एक व्यावहारिक सत्र दिया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे एक्सेल-आधारित एनालिटिक्स ऑडिट दक्षता को बढ़ा सकते हैं और अनियमितताओं का पता लगा सकते हैं.

श्री. चैतन्या अकेडमी और इन्फिनिटी लर्न ने लॉन्च किया आत्रेय

P2CBZ विशेष फीचर | प्रीमियम NEET कोर्स का मुख्य उद्देश्य है कॉन्सेप्ट्स को मज़बूत बनाना | फिज़िक्स की कक्षाओं को बढ़ाकर दोगुना करना

नागपुर. श्री. चैतन्या अकेडमी, इन्फिनिटी लर्न की एक पहल - भारत का एकमात्र हाइब्रिड लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म जो बड़े पैमाने पर परिणाम-आधारित शिक्षा प्रदान करता है - ने आत्रेय को लांच किया, जो की एक अनूठा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET) कार्यक्रम है. यह डिजिटल टूल और रियल-टाइम पर-फॉरमेंस ट्रैकिंग को जोड़ता है, जिसमें फिजिक्स विषय की कोचिंग पर विशेष ध्यान दिया जाता है. जिसे NEET उम्मीदवारों के लिए एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता है. फिज़िक्स की कक्षाओं को दोगुना करके P2CBZ इस चुनौती का समाधान करता है, जो छात्रों को NEET परीक्षा में टॉप करने के लिए एक निर्णायक बढ़त प्रदान करती हैं.

पिछले कुछ सालों में, NEET-UG के लिए आवेदकों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है, 2020 में 15 लाख रजिस्ट्रेशन से लेकर 2024 में 24 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए है. श्री. चैतन्या अकेडमी ने पिछले दस सालों में 1 लाख से अधिक डॉक्टर तैयार किए हैं, जिनमें से कई एम्स दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम करते हैं| एम्स दिल्ली में पढ़ने वाले 24 प्रतिक्षत डॉक्टर इसी अकेडमी से हैं. पिछले दो सालों में, संस्थान ने लगातार NEET AIR में पहला स्थान प्राप्त करने वाले छात्र तैयार किए हैं. संस्थान की बेहतरीन शिक्षण प्रणाली और अनुभवी शिक्षकों की मदद से, ग्रेड XI के छात्रों को आत्रेय प्रोग्राम के माध्यम से सर्वोत्तम मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि वे NEET में शानदार परिणाम हासिल कर सकें.

आत्रेय टेक्नोलॉजी की मदद से छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करके, उनकी कमजोरियों को पहचान कर कस्टमाइज्ड लर्निंग के तरीके बताता है. इसकी सबसे बड़ी खासियत है P2CBZ—हर दिन चार क्लासेस (प्रत्येक 1 घंटे 15 मिनट की) फिज़िक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जूलॉजी के लिए, और इसके साथ ही फिज़िक्स प्रैक्टिस के लिए एक अतिरिक्त 1 घंटे का विशेष सेशन. यह संरचना छात्रों को NEET की तैयारी को सहज और प्रभावी ढंग से करने में मदद करती है. इसके अलावा, छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए, उनका तनाव दूर करने के लिए वर्कशॉप और कंसल्टेशन सेशन भी आयोजित किए जाते हैं.

इनफिनिटी लर्न की को-फाउंडर, श्री. चैतन्या ग्रुप की सीईओ और डायरेक्टर सुषमा बोप्पना ने कहा,: 'आत्रेय के साथ, हमने व्यक्तिगत सलाह को अत्याधुनिक AI तकनीक के साथ जोड़कर NEET कोचिंग में बदलाव लेकर आए है. हमारे AI प्लेटफ़ॉर्म का रियल-टाइम विश्लेषण और हमारे अनुभवी शिक्षकों की मदद से, छात्रों को ऐसी जरूरी जानकारी मिलती है जो उनकी तैयारी को बेहतर बनाती है और उनके MBBS के सपने को हकीकत में बदलने में मदद करती है. NEET की तैयारी पढ़ाई के साथ-साथ भावनात्मक तत्परता के बारे में भी है.

आत्रेय का समग्र विकास इको सिस्टम दोनों पहलुओं को संबोधित करता है, जिससे छात्रों को अपनी तैयारी के सफर में ध्यान और आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद मिलती है.' नए कार्यक्रम की विशेषताओं के बारे में बात करते हुए फाउंडिंग सीईओ ऑफ इनफिनिटी लर्न बाय श्री. चैतन्या उज्ज्वल सिंह, ने कहा, 'सीखना एक सफर है, और 'बच्चा सीखा की नहीं' के हमारे आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, हम अपने शिक्षार्थियों को वे उपकरण प्रदान करते हैं जिनकी उन्हें उस सफर को अधिक स्पष्टता के साथ नेविगेट करने की आवश्यकता होती है. हमारा लक्ष्य टॉप लेवल के कॉलेजों में प्रवेश दिलाने वाले अग्रणी संस्थान बनना है. हमारा मिशन है हर इच्छुक छात्र को संसाधन उपलब्ध कराकर और उनकी कमजोरियों को मज़बूत बनाकर उन्हें सशक्त बनाना. हमारा P2CBZ दृष्टिकोण (दोगुनी फिज़िक्स की क्लास, साथ ही केमिस्ट्री, बॉटनी और जूलॉजी पर केंद्रित कोचिंग) यह सुनिश्चित करता है कि छात्र फिज़िक्स जैसे पारंपरिक रूप से कठिन माने जाने वाले विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें, और साथ ही केमिस्ट्री, बॉटनी और जूलॉजी जैसे अन्य विषयों में भी शीर्ष स्तर की परफॉर्मेंस बनाए रखें.'

आत्रेय की मुख्य विशेषताएं

-NEET के लिए एक्सपर्ट शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलेगा.

-डायग्नोस्टिक असेसमेंट का उपयोग करके पर्सनलाइज्ड स्टडी प्लान तैयार करना, जिससे छात्रों को अपने विषय पर ताकत और कमजोरी दोनों क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है.

-लाइव सेशन के साथ हाइब्रिड लर्निंग मॉडल, डिजिटल संसाधन और 24/7 प्रॉब्लम सॉल्विंग मंच

-छात्रों के समग्र विकास के लिए तनाव-मुक्ति वर्कशॉप, मोटिवेशनल सेशन और आमने-सामने कंसल्टेशन

लाइव लॉन्च इवेंट देखने के लिए, यहां क्लिक करें: https://www.youtube.com/live/nuKobA5oHrI .

अकेडमी के बारे में

. चैतन्या अकेडमी- इन्फिनिटी लर्न की पहल, एक व्यापक परीक्षण तैयारी केंद्र है जो शिक्षार्थियों को IIT-JEE और NEET की प्रवेश परीक्षाओं, स्कूल/बोर्ड परीक्षाओं, ओलंपियाड और अन्य फाउंडेशन-स्तरीय मूल्यांकनों के लिए तैयार करने पर केंद्रित है. एशिया के सबसे बड़े शैक्षिक समूहों में से एक, श्री. चैतन्या की समृद्ध विरासत और प्रभावी शिक्षा पद्धति का लाभ उठाकर, जिसने ऑफ़लाइन और ऑनलाइन सीखने के तरीकों और उच्च योग्य, अनुभवी शिक्षक की एक टीम के साथ-साथ मेडिकल और इंजीनियरिंग परीक्षाओं में लगातार टाप रैंक प्राप्त करने वाले छात्र तैयार किए हैं. श्री. चैतन्या अकेडमी शिक्षार्थियों की समग्र शिक्षा और विकास के लिए सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो.

क्या है इनफिनिटी लर्न

इन्फिनिटी लर्न बाय श्री. चैतन्या भारत का एकमात्र हाइब्रिड लर्निंग प्लेटफॉर्म है जो उच्च स्तर पर परिणाम-आधारित शिक्षा प्रदान करता है. 7 मिलियन से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के समुदाय की सेवा करते हुए, 750K से अधिक प्रीमियम सामग्री के लिए सक्रिय रूप से सदस्यता लेने के साथ, हमारा मुख्य लक्ष्य प्रत्येक शिक्षार्थी की क्षमता को बढ़ाना और निखारना है. हमारा प्लेटफॉर्म विभिन्न अध्ययन सामग्री से भरा हुआ है, जिसमें प्रश्नों का व्यापक संग्रह और आधुनिक शिक्षा की जरूरतों के अनुसार आसान और समझने में मददगार शिक्षण उपकरण शामिल हैं.

इन्फिनिटी लर्न की दो मुख्य प्रतिबद्धताएं हैं

पहली, हमारे बड़ी स्टूडेंट कम्युनिटी के लिए यह सुनिश्चित करना कि उन्हें हमेशा ऐसी गुणवत्तापूर्ण सामग्री मिले जो उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में मदद करे, और दूसरी, हमारी समर्पित टीम के लिए, जिनकी मेहनत और नए विचार हमारी सफलता का कारण हैं. हमारी व्यापक सोच यह है कि हम सीखने के अनुभव को सरल और व्यापक बनाएं, ताकि शिक्षा सभी के लिए सुलभ और किफायती हो.

तापमानः नागपुर, अधिकतम 26.6°C न्यूनतम 21.6°C
नागपुर, शुक्रवार 4 अप्रैल 2025

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

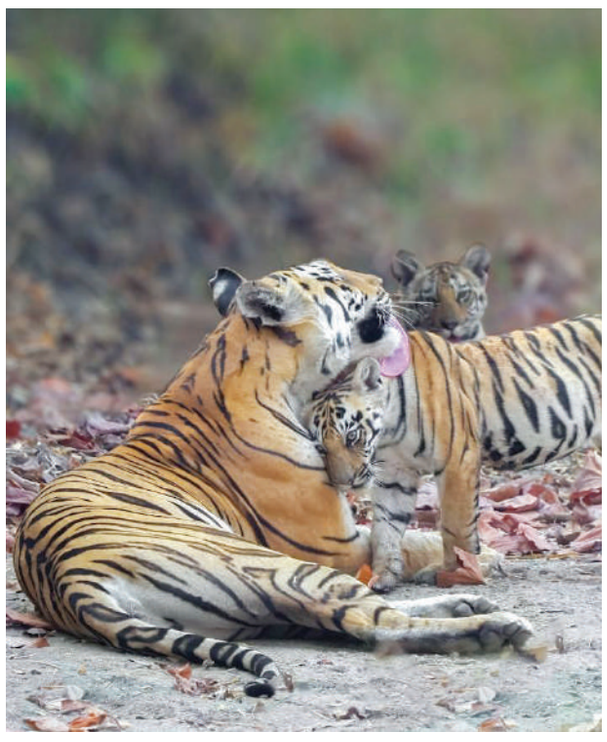

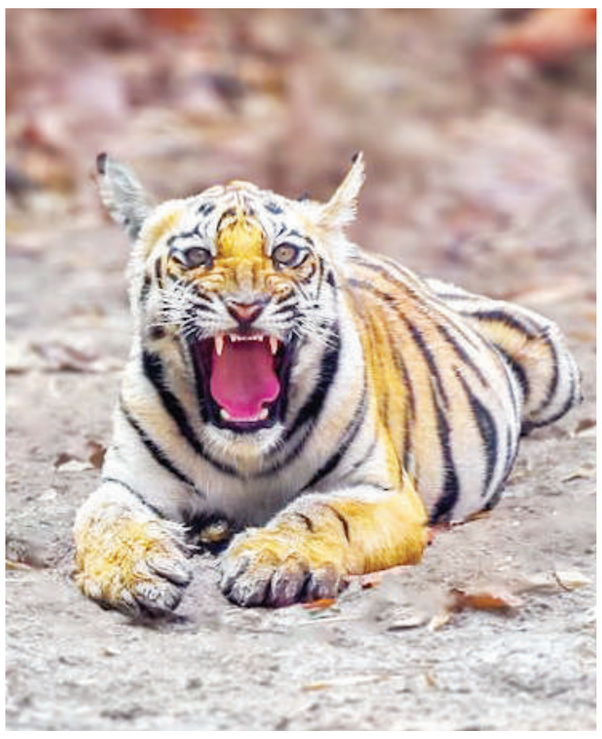

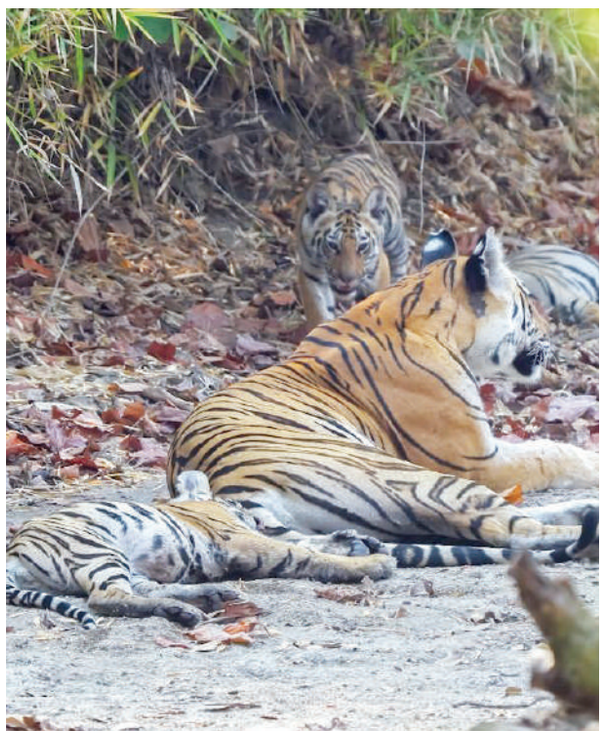

बनेरा सफारी गेट बाघों के दीदार के लिए तैयार

टाइगर रिजर्व अब आकर्षण का केन्द्र बन गया है, क्योंकि यहां पर्यटक तोतलाडोह बांध के बैकवाटर, बांध के पानी से यहां-वहां बहते बारहमासी झरने, रंग-बिरंगे पंखों वाले पक्षियों की चहचहाहट और दहाड़ते बाघों की मधुर ध्वनि का आनंद ले सकते हैं. इस बाघ सफारी का रोमांच बाणेरा सफारी गेट के माध्यम से संभव हो पाता है, क्योंकि पर्यटक आसानी से बाघों के एक परिवार को घूमते हुए देख सकते हैं, जो एक बार में एक पंजा उठाते हैं और फिर अपने नाजुक पंजों से उसे फिर से जोड़ लेते हैं.वन विभाग ने बड़ी संख्या में पर्यटकों को नागपुर से सिर्फ एक घंटे की यात्रा पर बनेरा सफारी गेट के माध्यम से पेंच टाइगर रिजर्व की सैर कराने तथा वन्य जीवन के साथ-साथ प्रकृति में जैव विविधता का अनुभव कराने के लिए स्मार्ट योजना बनाई है.

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की मुश्किलें

4,183 हेक्टेयर फसल हुई खराब

बुलढाना. जिले में हुई बेमौसम बारिश ने मौसम विभाग की भविष्यवाणी को सही साबित करते हुए जिले में 4,183 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली रबी फसलों और बागों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है. 2 और 3 अप्रैल, 2025 को पूरे जिले में अलग-अलग मात्रा में बेमौसम बारिश हुई. इससे जिले में रबी फसलों तथा फलों और सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान हुआ.

नुकसान की प्रारंभिक रिपोर्ट जिला कृषि अधीक्षक अधिकारी कार्यालय की कृषि उपसंचालक अनुराधा गावड़े ने जिला कलेक्टर डॉ. किरण पाटिल को गुरुवार 3 अप्रैल को सौंपी. इसमें कहा गया है कि बेमौसम बारिश और तूफानी हवाओं के कारण 4,183 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नुकसान पहुंचा है. जिले के तेरह तालुकाओं में से नौ बेमौसम बारिश से प्रभावित हुए हैं. घाट के नीचे के तालुका को ऊपर के तहसील की तुलना में अधिक क्षति हुई है. नांदुरा तहसील को सबसे अधिक नुकसान हुआ. यहां 49 गांव प्रभावित हुए हैं. 1,655 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं, मक्का, ज्वार, प्याज, पपीता और केले की फसल को नुकसान पहुंचा है. मोटाला तहसील में 702 हेक्टेयर से अधिक मक्का, ज्वार और प्याज की फसल नष्ट हो गई है. संग्रामपुर तहसील में 599 हेक्टेयर भूमि नष्ट हो गई. 28 गांव प्रभावित हुए. जलगांव जामोद तहसील के 10 गांवों में 87 हेक्टेयर आम, पपीता, प्याज के बीज, मलकापुर तहसील के 12 गांवों में 90 हेक्टेयर, खामगांव तालुका के 42 गांवों में 954 हेक्टेयर, बुलढाणा तालुका के 14 गांवों में 84 हेक्टेयर और चिखली के 2 गांवों में 12 हेक्टेयर फसल खराब हो गई.

फसलों को भारी नुकसान

बुलढाणा जिले में दो दिनों तक बादल छाये रहे. बादल छाए रहने से वातावरण में ओस पैदा हो गई है. इसके साथ दो दिनों से हो रही बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है. गुरुवार सुबह-सुबह अचानक काले बादल छा गए और तूफानी हवाओं के साथ कुछ इलाकों में बारिश हुई. इस बारिश में गेहूं, प्याज, सब्जियों और अन्य फसलों को नुकसान हुआ है. वहीं, जिले की मोताला तहसील के शेम्बा इलाके में तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश हुई है. इससे मक्के की फसल को भारी नुकसान हुआ है. इसके साथ ही तेज हवाओं के कारण कई घरों की टिन की चादरें उड़ गईं, बड़े-बड़े पेड़ और बिजली के खंभे जमीन पर गिर गए हैं.

जिले में 2.12 लाख श्रमिक, सक्रिय सिर्फ 81 हजार

अमरावती. जिले में निर्माण श्रमिकों की 2 लाख 11 हजार 828 से अधिक रहने जानकारी जिला श्रम उपायुक्त कार्यालय में दर्ज है. यह वह श्रमिक हैं, जिन्होंने अपना पंजीयन जिला श्रम कार्यालय में कराया था. जिला श्रम अधिकारी रारा काले से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें से 83 हजार 382 निर्माण श्रमिकों ने अपना श्रमिक पंजीयन कार्ड का रिनिवल किया है. वर्तमान में जिले में 81 हजार 582 पंजीकृत एक्टिव श्रमिक कार्यरत हैं. जिनमें से 21 हजार 285 श्रमिकों को शिक्षा, विवाह, स्वास्थ और मृत्यु अनुदान का लाभ दिया गया है.

बुजुर्ग श्रमिकों को दी जाएगी पेंशन, शासन ने घोषणा की है : राज्य सरकार ने बुजुर्ग श्रमिकों को सालाना 12 हजार रुपए पेंशन योजना की घोषणा की है. जिसका सर्क्युलर अभी जिला श्रम कार्यालय को मिला नहीं है. घोषणा अनुरूप पात्र बुजुर्ग श्रमिकों की जानकारी जुटाने का काम प्राथमिक स्तर पर शुरू कर दिया गया है. सरकार स्तर से उक्त पेंशन योजना के कार्यान्वयन के निर्देश मिलते ही तदनुसार आगे की करवाई जाएगी.

– नि.पा. पाटणकर, श्रम उपायुक्त अमरावती.

जिला श्रम कार्यालय से निर्माण श्रमिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है. जिसके तहत श्रमिक के बच्चों को शिक्षा के लिए 25 हजार से 1 लाख रुपयों तक का वित्तीय अनुदान दिया जा रहा है. श्रमिक परिवार के बेटी की शादी के लिए 30 हजार रुपए से 51 हजार रुपयों तक की आर्थिक सहायता मिलती है. किसी बीमारी से ग्रस्त श्रमिक को 1 लाख रुपये तक के निशुल्क इलाज की सुविधा का प्रावधान है. उसी प्रकार श्रमिक की काम पर मौत होने के मामलों में संबंधित श्रमिक के परिजनों को 10 हजार रुपये से 5 लाख रुपयों तक की आर्थिक मदत दी जा रही है. ऐसे ही 21 हजार 285 श्रमिकों को शिक्षा, विवाह, स्वास्थ और मृत्यु अनुदान का लाभ जिला श्रम उपायुक्त कार्यालय के माध्यम से दिया गया है.

नरभक्षी बाघ को पकड़ने में शैल की सफलता

भंडारा. भंडारा जिले की लाखांदूर तहसील के खैरी में बाघ ने एक किसान पर हमला कर उसे मार डालने वाले बाघ को आख़िरकार वन विभाग ने पकड़ लिया है. इससे ग्रामीणों ने रहत की सांस ली है.

किसान के शिकार से ग्रामीण आक्रामक हो गये थे और उन्होंने लाखांदुर स्थित वन विभाग कार्यालय पर हमला बोल दिया. खैरी के किसान डाकराम देशमुख मक्के की फसल में सिंचाई करने के लिए खेत में गये थे. उधर, रात होने के बाद भी किसान वापस नहीं लौटा था. घर के लोगों और ग्रामीणों ने तलाश की लेकिन किसान का पता नहीं चला. उसका शव खेत में मिला. बाघ ने उसका शिकार कर उसे मार डाला था किसान की मौत के बाद गांव में भय का माहौल फैल गया. ग्रामीणों ने अपना मार्च लाखांदुर में वन विभाग कार्यालय की ओर मोड़ दिया था और मांग की थी कि बाघ किया जाए. वहीं, अब तीन दिन बाद आखिरकार वन विभाग आदमखोर बाघ को पकड़ने में कामयाब हो गया.

बाघ ने किसान का किया था शिकार

अतिक्रमण हटाने पर प्रशासन पर पक्षपात के आरोप

गोंदिया. आमगांव सड़क किनारे फल बिक्री को लेकर हुए विवाद और मारपीट के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने कार्रवाई करते हुए दोनों दुकानदारों के अतिक्रमण को हटा दिया. हालांकि, इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी जताई और प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया.

स्थानीय निवासियों का कहना है कि आंबेडकर चौक में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण मौजूद है, लेकिन प्रशासन ने केवल इन दो दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की. नागरिकों का कहना है कि यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करनी ही थी, तो उसे निष्पक्ष रूप से सभी के खिलाफ किया जाना चाहिए था. प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में आमगांव में कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई. स्थानीय लोगों ने विरोध दर्ज कराते हुए मांग की कि चौक के सभी अतिक्रमणकारियों पर समान रूप से कार्रवाई हो.

फास्ट ट्रैक

स्कूल के कर्मचारी ने छात्राओं के साथ की छेड़छाड़

अकोला. अकोला शहर के कौलखेड इलाके में एक स्कूल के कर्मचारी ने कुछ छात्राओं के साथ छेड़छाड़ करने की घटना सामने आई है. इस मामले में जिला एवं महिला बाल विकास अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन की महिला समन्वयक की शिकायत के आधार पर खदान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम हेमंत चांदेकर है. स्कूल की कुछ महिला शिक्षक 5 मार्च से प्रशिक्षण के लिए गाँव से बाहर गई थीं और आरोपी पर स्कूल के मामलों के प्रबंधन की जिम्मेदारी थी. उसने इस स्थिति का फायदा उठाया और कक्षा IV और कक्षा VII में पढ़ने वाली छात्राओं से छेड़छाड़ की. शिक्षक प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद, कुछ छात्राओं ने शिक्षिकाओं को बताया कि उनके साथ क्या हुआ था. इसके बाद शिक्षण संस्थान के निदेशक ने आरोपी को 8 मार्च से स्कूल ड्यूटी पर नहीं आने का आदेश दिया. इसके बाद खदान पुलिस में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई. मिली शिकायत के आधार पर खदान पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है.

मुनगंटीवार के साथ छात्रों का अनोखा पल

चंद्रपुर. महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की 10 नई बसों का उद्घाटन समारोह आज चंद्रपुर बस डिपो में संपन्न हुआ. इस अवसर पर बसों का उद्घाटन भाजपा नेता एवं विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने किया. इस दौरान बस स्टेशन पर भारी भीड़ थी, खासकर स्कूली छात्रों की. अचानक मिली इस ख़ुशी से छात्र बहुत उत्साहित हो गए. इसके बाद विद्यार्थियों ने विधायक मुनगंटीवार के साथ फोटो और सेल्फी लेने की इच्छा जताई. मुनगंटीवार ने भी

विद्यार्थियों के इस अनुरोध को सहर्ष स्वीकार किया और हंसी-मजाक करते हुए उनके साथ फोटो और सेल्फी ली. नेता के साथ बिताया गया यह अनूठा क्षण छात्रों के लिए अविस्मरणीय बन गया. छात्र इस अंतरंग बैठक से अभिभूत थे और उनके चेहरों पर खुशी झलक रही थी.

1 करोड़ 31 लाख से ज्यादा परिवारों को मिल रहा जेजेएम का लाभ

अमरावती. महाराष्ट्र के 1 करोड़ 31 लाख से ज्यादा परिवारों को केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना का लाभ उठा रहे हैं. लोकसभा में गुरुवार को केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमण्णा ने भाजपा सांसद अनूप धोत्रे के पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी. केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन के शुरुआत में महाराष्ट्र में 48.44 लाख (33

प्रतिशत) ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना थी. अब तक राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 31 मार्च 2025 तक पिछले 5 वर्षों से अधिक समय के दौरान लगभग 82.76 लाख और परिवारों को जेजेएम के तहत नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए है. इस प्रकार मार्च 2025 तक महाराष्ट्र में 1 करोड़ 46 लाख 79 हजार ग्रामीण परिवारों में से लगभग 1 करोड़ 31 लाख 20 हजार (89 प्रतिशत) परिवारों के घरों में नल से जल की आपूर्ति हो रही है. सोमण्णा ने कहा कि मार्च 2025 तक अकोला के 2,48,458 परिवारों में से 2,18,710 परिवारों को नल से जल मिल रहा है. वाशिम के 2,20,115 में से 1,97,723 परिवारों को जेजेएम का लाभ मिल रहा है. केंद्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री ने बताया कि मार्च 2025 तक देश के देश के 19 करोड़ 36 लाख ग्रामीण परिवारों में से 15 करोड़ 56 लाख से अधिक परिवारों के घरों में नल से जल की आपूर्ति हो रही है.

उपलब्धि पहले दिन जिला परिषद स्कूलों में 7536 नए विद्यार्थियों को मिला प्रवेश...

'गुड़ी पड़वा-प्रवेश वृद्धि' की सफलता

गोंदिया. निजी स्कूलों में शिक्षा का स्तर और वहां दी जाने वाली सुविधाएं अभिभावकों के लिए आकर्षण का विषय बन गई हैं, वहीं जिले के जिला परिषद स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है. नामांकन में कमी के कारण कुछ स्कूलों को कक्षाएं बंद करनी पड़ीं तथा अन्य को तो स्कूल ही बंद करना पड़ा.

गोंदिया जिला परिषद के शिक्षा अधिकारी सुधीर महामुनि के मार्गदर्शन में स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए पहल शुरू की गई. इस पहल के तहत गुड़ी पड़वा के अवसर पर गोंदिया जिला परिषद शिक्षा विभाग ने जिला परिषद स्कूलों में 'गुड़ी

पड़वा नामांकन बढ़ाओ' अभियान लागू किया. इस पहल के तहत पहले ही दिन जिले भर से 7,536 विद्यार्थियों ने जिला परिषद स्कूलों की पहली कक्षा में प्रवेश लिया है. 'गुड़ी पड़वा, प्रवेश बढ़ाओ' पहल के तहत 30 मार्च और 31 मार्च को जिले के गांवों में गुड़ी लगाकर और जुलूस और दिंडी निकालकर अभिभावकों में जागरूकता पैदा की गई. इसलिए, 'गुड़ी पड़वा, नामांकन बढ़ाओ' पहल के तहत, रथों और बैलगाड़ियों पर गुड़ी सजाकर स्कूलों में छात्रों की एक शोभायात्रा निकाली गई. इससे विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल बनता है. गांव के अभिभावकों ने बड़ी खुशी के साथ इस जुलूस में भाग लिया. कार्यक्रम की शुरुआत गुड़ी की स्थापना के साथ हुई.

7536 छात्र सीधे नामांकित

₹गुड़ी पड़वा प्रवेश वृद्धि₹ पहल के तहत एक ही दिन में 3,750 लड़कों और 3,786 लड़कियों सहित 7,536 विद्यार्थियों को प्रथम कक्षा में प्रवेश दिया गया. इसमें आमगांव तालुका से 766, अर्जुनी-मोरगांव से 960, देवरी से 864, गोंदिया से 1828, गोरेगांव से 805, सड़क-अर्जुनी से 709, सालेकसा से 637 और तिरोदा तालुका से 267 छात्र शामिल हैं. इन छात्रों ने पहले ही दिन प्रवेश ले लिया है.

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा नये विद्यार्थियों का फूलों के गुलदस्ते भेंट कर तथा डीजे की धुन पर जुलूस निकालकर अनोखे अंदाज में स्वागत किया गया.

इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को विद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी तथा शिक्षा के महत्व से अवगत कराया. 'गुड़ी पड़वा, नामांकन बढ़ाओ' पहल ने शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा की है और छात्रों के लिए प्रेरणादायी रही है. अभिभावकों ने अपने बच्चों को जिला परिषद स्कूल में पढ़ाने का निर्णय लिया. इससे जिले में स्कूलों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी.

छात्रों को बड़ी राहत

परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 10 तक बढ़ाई

अमरावती. संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 ग्रीष्मकालीन परीक्षाओं के लिए आवेदन पत्र जमा करने की समय सीमा बढ़ा दी है. नियमित छात्रों के लिए 10 अप्रैल और पूर्व छात्रों के लिए 3 अप्रैल तक यह समय सीमा दी गई है.

यूनिवर्सिटी ने कॉलेजों के अनुरोध पर यह एक्सटेंशन दिया है. पहले यह समयसीमा 21 से 31 मार्च थी. यू.जी. एन.ई.पी., बी.फार्म सत्र 1 और 2 और एम. फार्म सत्र 1 परीक्षा को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के छात्र इस विस्तार का लाभ उठा सकते हैं.

जिन छात्रों ने पिछली परीक्षा का आवेदन पत्र नहीं भरा है या जिनकी परीक्षा बाधित हो गई है, उन्हें 3 अप्रैल

से पहले आवेदन पत्र भरना होगा. परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड के निदेशक डॉ. नितिन कोली ने सभी कॉलेजों को इसकी सूचना दे दी है. अधिक जानकारी के लिए छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं. विश्वविद्यालय ने अनुरोध किया है कि सभी कॉलेजों के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष और छात्र इस पर ध्यान दें.

नागपुर, शुक्रवार 4 अप्रैल 2025 तापमान: नागपुर, अधिकतम 26.6°C 21.6°C

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

जमकर बरसे बादल

आफत बनी बारिश में कलमना मंडी में भीगा लाखों का अनाज

शहर के कई हिस्सों व रास्तों पर पानी जमा

तेज हवा ने कही जगह बढ़ाई परेशानी

शाम को ठंडी हवा से मौसम हुआ सुहाना

नागपुर. मंगलवार से मौसम में आए बदलाव का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा. सुबह-सुबह उपराजधानी नागपुर के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हुई, जिसके कारण मौसम में ठंड हो गया. इसी बीच मौसम विभाग ने विदर्भ के तमाम जिलों में तेज आंधी के साथ ओले पड़ने की संभावना भी जताई है. ज्ञात हो कि, गिछले तीन दिनों से उपराजधानी का मौसम पुरी तरह बदला हुआ है. आसमान को जहां बदलो ने घेरा हुआ है, वहीं बुधवार शाम से जिले के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हो रही. बेमौसम बारिश से एक तरफ जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी तरफ खेतो में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा है. लगातार 3 दिनों सें रिमझिम बारिश के साथ ठंडी हवा सुकून लेकर आई. शाम का मौसम सुहाना होने के साथ ही गर्मी से राहत मिली. बेमौसम बारिश से शहर के कई हिस्सों व रास्तों पर पानी जमा हो गया था. गड्ढों में बारिश का पानी जमा होने से आवाजाही भी प्रभावित हुई. अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना है. गुरुवार को नागपुर का अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री व न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस रहा.

बता दे की, 3 से 4 बार बेमौसम बारिश के कारण कृषि उत्पन्न बाजार समिति द्वारा संचालित कलमना मंडी में लाखों रुपए का अनाज गीला हो गया. कई बार बेमौसम बारिश के कारण मंडी में लाई जाने वाली कृषि उपज भीग जाती है, लेकिन इसमें सुधार लाने के लिए बाजार समिति के पदाधिकारी कोई कदम नहीं उठा रहे हैं. नाम न लेते हुए एक आढ़तिया ने बताया कि अब तक मंडी में बारिश के कारण हजारों क्विंटल अनाज बर्बाद हो चुका है. लेकिन इस मामले में एपीएमसी प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती है. बाजार समिति से हमने धान्य बाजार में रोड़ के ऊपर डोम बनाने की मांग की है, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है.

सभी जिलों में मूसलाधार बारिश

विदर्भ में मंगलवार से शुरू हुआ मौसम परिवर्तन अभी भी जारी है. लगभग सभी जिलों में मूसलाधार बारिश के साथ तेज हवाएं और बिजली गिरी. मंगलवार मध्य रात्रि को उप-राजधानी में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई. बुधवार शाम को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश जारी रही. गुरुवार सुबह से ही तेज हवाओं के साथ भारी बारिश ने एक बार फिर नागपुर, वर्धा, भंडारा और विदर्भ के अन्य जिलों को अपनी चपेट में ले लिया है. भंडारा जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है.

तेज आंधी और ओलावृष्टि की संभावना

राज्य की उप-राजधानी नागपुर के कई हिस्सों में सुबह से मध्यम से भारी बारिश हो रही है. वर्धा और भंडारा जिलों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई है. हर जगह बारिश हो रही है, साथ ही तेज़ हवाएं और बिजली भी चमक रही है. इससे वातावरण में धुंध पैदा हो गई है. हालांकि सुबह से ही बारिश शुरू हो जाने के कारण स्कूली छात्रों और कार्यालय कर्मियों को रेनकोट का सहारा लेकर ही बाहर निकलना पड़ा. इस बीच, क्षेत्रीय मौसम विभाग ने विदर्भ के सभी जिलों में तेज आंधी और ओलावृष्टि की संभावना जताई है. वर्धा जिले में भी भारी बारिश हुई, जबकि अमरावती में भी बारिश हुई. भंडारा जिले में भी बुधवार को भारी बारिश हुई. इस जिले में आज गुरुवार को भी भारी बारिश हुई है. एक तरफ बेमौसम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन दूसरी तरफ खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है. दक्षिण छत्तीसगढ़ और आस-पास के इलाकों में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है.

कई इलाकों में बिजली गुल

कई इलाकों में बिजली गुल हो गई. पूर्व और दक्षिण नागपुर में बिजली की ज्यादा परेशानी हुई. तेज हवा के कारण बिजली के तार टूटने का खतरा रहता है. इसी तरह पेड़ों की शाखाएं भी तारों को लटकने का खतरा रहता है. कई इलाकों में एहतियातन बिजली बंद की गई थी.

कलमना में मिर्ची गीली हुई

कलमना मार्केट में सुखाने के लिए बाहर रखी लाल मिर्ची बारिश के कारण गीली हो गई. इसी तरह अनाज के बोरे भी गीले हो गए. पिछले तीन दिन से तेज धूप में मिर्ची सुखाई जा रही थी.

1 साल में 71 हजार नए बिजली कनेक्शन

नागपुर परिमंडल में 'ईज ऑफ लिविंग' संकल्पना

शहर संवाददाता

घरेलू: 57 हजार 858 , वाणिज्यिकः 8 हजार 907

नागपुर . महावितरण के नागपुर परिमंडल ने एक वर्ष (वित्तीय वर्ष 2024-25) में 71 हजार 233 नए लघु दाब बिजली कनेक्शन प्रदान किए है . इसमें 57 हजार 858 घरेलू, 8 हजार 907 वाणिज्यिक, 1 हजार 23 औद्योगिक और 1 हजार 556 कृषि कनेक्शन शामिल हैं . इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के लिए 65 नए कनेक्शन भी प्रदान किए गए हैं . इसके अलावा 59 पोल्ट्री, 12 पावरलूम, 10 कोल्ड स्टोरेज, 413 सार्वजनिक सेवाएं, 128 सार्वजनिक जल आपूर्ति, 154 स्ट्रीट लाइट और 1,048 अस्थायी बिजली कनेक्शन भी प्रदान किए गए हैं . ग्राहक सेवा में तेजी लाने के लिए नए बिजली कनेक्शन तुरंत उपलब्ध कराने के लिए महावितरण के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र ने नए बिजली कनेक्शन की गति बढ़ाने पर जोर दिया है . महावितरण के नागपुर के क्षेत्रीय निदेशक परेश भागवत के मार्गदर्शन और मुख्य अभियंता दिलीप दोडके के नेतृत्व में नागपुर जोन में 'ईज ऑफ लिविंग' की संकल्पना के अनुसार बिजली ग्राहकों को तत्काल सेवाएं प्रदान की जा रही हैं . इससे पहले भी महावितरण ने परिमंडल में सालाना औसतन साठ से सत्तर हजार बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए थे . नियोजन करने के कारण वित्तीय वर्ष 2024-25 में 71 हजार 233 नये विद्युत कनेक्शन प्रदान करने में सफलता मिल सकी हैं . इससे पहले नागपुर परिमंडल के अंतर्गत हर महीने औसतन 5 से 6 हजार नए बिजली कनेक्शन दिए जा रहे थे . महावितरण नागपुर परिमंडल के मुख्य अभियंता दिलीप दोडके ने आश्वस्त किया कि महावितरण के सभी इंजीनियर, अधिकारी और कर्मचारी कृति मानकों के अनुसार समय पर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं . नए कनेक्शन जारी करने की गति और तेज करने के प्रयास है . नए कनेक्शन के लिए आवश्यक बिजली मीटरों की तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, महावितरण के निदेशक (संचालन) अरविंद भादीकर, नागपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक परेश भागवत और नागपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता दिलीप दोडके नियमित रूप से विभागवार समीक्षा करते रहे हैं . इसीलिए, नये बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में गति आई है .

मनोहारी झांकियों के साथ निकलेगी श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा

शहर मुख्य संवाददाता

100 चित्ररथ रहेंगे आकर्षण का केंद्र , भोपाल का डमरू बैण्ड, महाकुंभ की प्रतिकृति

नागपुर. जैसे-जैसे श्रीरामनवमी पर्व करीब आ रहा है संतरानगरी राम के रंग में रंगने लगी है. श्रीरामनवमी पर रविवार, 6 अप्रैल को श्री पोद्दारेश्वर राम मंदिर की ओर से निकाली जाने वाली श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा 100 झांकियों के साथ पूरे शहर का भ्रमण करेगी. श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा में भगवान राम अयोध्या में स्थापित रामलला की प्रतिमूर्ति 'रामलला रथ' पर सवार होकर भक्तों से मिलने के लिए निकलेंगे. इसके अलावा पश्चिम नागपुर नागरिक संघ द्वारा राम नगर स्थित राम मंदिर और मोतीबाग स्थित बेलीशाप प्राचीन शिव मंदिर से भी शोभायात्रा निकाली जाएगी. यह जानकारी गुरुवार को श्री पोद्दारेश्वर राम मंदिर में आयोजित प्रेस कॉन्फरन्स के दौरान पश्चिम नागपुर नागरिक संघ की ओर से दी गई.

आयोजन समिती ने बताया की इस वर्ष पश्चिम नागपुर नागरिक संघ के शोभायात्रा की का स्वर्ण जयंती वर्ष है. रामनगर स्थित राम मंदिर में रविवार को दोपहर 12 बजे श्री राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा. इस वर्ष झांकियों की संख्या बढ़ी है. दोपहर 4 बजे पोद्दारेश्वर राम मंदिर में भगवान श्रीराम की प्रतिमा का पूजन किया जाएगा. जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के अलावा शहर के विधायक, सांसद आदि शामिल होंगे.

इस वर्ष शोभायात्रा में भोपाल से लाया गया डमरू बैंड, शेर के जबड़े में हाथ डालकर दांत गिन रहे संभाजी महाराज, 'संविधान में राम' और महाकुंभ रैली शामिल हैं. शोभा यात्रा के मार्ग पर 10 प्रमुख चौराहों पर आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जाएगा. विभिन्न धर्मार्थ संगठन पचास स्थानों पर प्रसाद वितरित करेंगे. उत्तर नागपुर के बेलीशॉप स्थित प्राचीन शिव मंदिर की 23वीं वार्षिक शोभायात्रा के दौरान 'जल ही जीवन है' का संदेश दिया जाएगा. शोभायात्रा की शुरूवात शाम 5 बजे होगी. इस वर्ष नागपुर में रामनवमी की एक विशेषता, पोद्दारेश्वर राम मंदिर शोभायात्रा का 59वां वर्ष है. इस रैली में 100 रथ भाग लेंगे. इसमें राम के जन्म से लेकर रावण के वध तक की घटनाओं को दर्शाया जाएगा. इस शोभायात्रा को देखने के लिए विदर्भ और पड़ोसी राज्यों से भी श्रद्धालु आते हैं.

शोभायात्रा का मार्ग पर तकरीबन 25 हजार स्वयंसेवक अपनी सेवाएं देंगे. शोभायात्रा में भारतीय संस्कृति की विविधता नजर आएगी. इसके अलावा पारंपरिक लोक नृत्य, रोलर स्केटिंग, छेज नृत्य, आदिवासी नृत्य, शंख वादन, ढोलताशा पथक आकर्षण का केंद्र होगा. पत्र परिषद के दौरान समिती के अध्यक्ष रवि वाघमारे, सचिव राजीव काळेले आदि उपस्थित थे.

6 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम

चैत्र माह की नवमी तिथि को पोद्दारेश्वर राम मंदिर में विराजमान भगवान श्रीराम का प्रातः 4 बजे उत्थापन, मंगला आरती और अभिषेक किया जाएगा. इसके पश्चात प्रातः 5 बजे शहनाई वादन होगा. इसके पश्चात प्रातः 9 बजे से श्रीराम संकीर्तन होगा. दोपहर 12 बजे भगवान का पुनः अभिषेक एवं षोडशोपचार पूजन होगा. इस अवसर पर विप्रवृंद द्वारा शंखनाद, भेरी नाद के बीच भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा और आरती की जाएगी. जन्मोत्सव के पश्चात श्रीराम जन्म के प्रसंग बधाई गीतों

सोशल मीडिया कक्ष स्थापित

श्री पोद्दारेश्वर राम मंदिर से निकलने वाली ऐतिहासिक शोभायात्रा का लाइव प्रसारण किया जाएगा. शोभायात्रा के प्रसारण के लिए एक विशेष कक्ष बनाया गया है. इसके लिए बच्चों ने एक प्रोग्राम भी तैयार किया है. ताकि शोभायात्रा का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया के साथ-साथ चैनलों पर हो सके.

जनता से सहयोग की अपील

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने शोभायात्रा देखने आने वाले नागरिकों से सहयोग की अपील की है. उन्होंने कहा कि शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह महाप्रसाद आदि का वितरण किया जाता है, जिसके बाद डिस्पोजल सड़क पर ही फेंक दिए जाते हैं. उन्होंने प्रसादी ग्रहण के बाद दोने-पत्तल आदि सामग्री सड़क पर न डालकर संस्था द्वारा रखे गए कचरे के डिब्बे में ही डालें, ताकि सड़क पर गंदगी न हो.

लापरवाही दिनभर रहता है ट्रैफिक बाधित, प्रशासन की अनदेखी

छत्रपति चौक पर बसों का जमावड़ा

शहर संवाददाता

नागपुर. शहर के अमूमन हर इलाकों में निजी, एसटी और आपली बस चालकों ने अपने हिसाब से सुविधा के अनुसार बस स्टॉप बना लिए हैं. ज्यादातर बसें बिल्कुल चौराहों की टर्निंग पर रुकती हैं. इस वजह से दिनभर ट्रैफिक बाधित होता है. छत्रपति चौक पर हालात ज्यादा खराब हैं. यह चौराहा शहर के प्रमुख जंक्शन में से एक है. दिनभर यहां भारी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है.

इसके बावजूद चौराहे के नजदीक बस रोक दी जाती है. इन्हें न तो कोई रोकने वाला है और न ही कोई टोकने वाला. जाम में फंसे लोग हॉर्न बजाते रह जाते हैं लेकिन बस चालक और कंडक्टर के कान में जू तक नहीं रेंगती. असल में यह सब ट्रैफिक विभाग की अनदेखी का नतीजा है. निजी बस संचालकों पर लगाम कसने में ट्रैफिक विभाग पूरी तरह विफल दिखाई देता है. केवल निजी ही नहीं, सरकारी बसों के चालक भी नियमों को ताक पर रखकर जहां मन चाहे गाड़ी रोक देते हैं.

मनपा और ट्रैफिक विभाग

असल में बस स्टॉप मेट्रो स्टेशन के आगे बना हुआ है लेकिन हैदराबाद और मुंबई जाने वाली सभी ट्रैवल्स कंपनियों के एजेंट कार्यालय छत्रपति चौक के बिल्कुल नजदीक बना दिए गए हैं. इस वजह से सभी कंपनियों की बसें चौक पर ही रुक जाती हैं. सवाल यह उठता है कि बस स्टॉप तय करने वाले ट्रैवल्स एजेंसी वाले कौन होते हैं. यह निर्णय मनपा और ट्रैफिक विभाग को मिलकर लेना चाहिए. यदि समस्या हो रही है तो इसका निराकरण करने की जिम्मेदारी प्रशासन की है.

छत्रपति चौक से कोका कोला फैक्ट्री और कोका कोला फैक्ट्री से छत्रपति चौक के बीच मानो ट्रैफिक व्यवस्था लावारिस हो गई है. न तो पुलिस का भारी वाहनों पर कंट्रोल है और न ही ऑटो व ई-रिक्शा वाले पुलिस से डरते हैं. यही कारण है कि जिसका जहां और जब मन चाहे वाहन खड़ा कर देता है. चंद्रपुर, वर्धा, यवतमाल से आने वाली सभी बसें पहले लक्ष्मी नारायण सभागृह के समीप रुकती थीं. वहीं ऑटो और ई-रिक्शा वाले भी सवारियों के लिए खड़े रहते थे लेकिन बस और अन्य सवारी वाहन चालकों ने अपनी सुविधा के अनुसार वाहन रोकना शुरू कर दिया है. इस वजह से यातायात बाधित होता है.

किसकी जिम्मेदारी है?

शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस और महानगर पालिका की है. दोनों विभाग मिलकर ही इंफ्रास्ट्रक्चर, रोड और वाहनों की आवाजाही की संख्या के हिसाब से बस स्टॉप की जगह निर्धारित करते हैं. छत्रपति चौक पर कभी भी बस स्टॉप नहीं था. केवल लैंडमार्क के लिए छत्रपति बस स्टैंड कहा जाता था.

सवारी लेने की लगी रहती है रेस

चाहे बस चालक हों या ऑटोरिक्शा चालक, सभी के बीच सवारी लेने की रेस चलती है. एक बस के पीछे दूसरी और उसके पीछे तीसरी लग जाती है. ट्रैफिक पूरी तरह ठप हो जाता है. यहां चंद्रपुर, वनी, यवतमाल और वर्धा जाने वाली बसों के एजेंट के बीच दिनभर गहमा-गहमी होती है. सवारी लेने के लिए बस चालक एक-दूसरे को साइड नहीं देते. अन्य वाहन चालक हॉर्न बजाते रहते हैं लेकिन कोई टस से मस नहीं होता. यहां तक कि एम्बुलेंस और पुलिस के वाहन भी कतार में लगे रहते हैं. कई बार केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का काफिला भी यहां फंस चुका है. इसके बावजूद पुलिस का ध्यान न होना आश्चर्य की बात है.

दपूम रेलवे : इस माह 3 एक्सप्रेस गाड़ियों की बढ़ाएगी रफ्तार

इंटरसिटी, शिवनाथ व जनशताब्दी में लगेंगे LHB कोच

शहर संवाददाता

नागपुर. रेल गाड़ियों को समय के साथ अपडेट किया जा रहा है. जिसमें अब ट्रेनों में आईएफसी कोच को बदलकर एलएचबी कोच लगाने का काम शुरू है. इसी में दपूम रेलवे नागपुर मंडल से गुजरनेवाली 3 एक्सप्रेस गाड़ियों में इसी महीने में एलएचबी कोच लगाये जाएंगे. जिससे एक ओर गाड़ियों को तेजी मिलेगी, वहीं दूसरी ओर यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा में भी इजाफा होनेवाला है. रेल इतिहास को टटोलें तो पहले भापवाले इंजन, फिर डीजल इंजन और अब इंलेक्ट्रीक इंजन के माध्यम से गाड़ियों को मीलों तक दौड़ाया जाता है. इसी तरह पहले नैरोगेज फिर मीटर गेज और अब ब्राडगेज पटरियों में बदलाव हुआ है. लेकिन आज भी पुराने तरीकों से आईएफसी कोच से ही ट्रेनों को चलाया जाता है. यह कोई पटरियों पर तेजी से दौड़ने में सक्षम नहीं है. इन कोच को एकाकी रोकने पर यह एक दूसरे के उपर चढ़ जाते हैं, जिससे हादसे कई बार बहुत बड़े हो जाते हैं. ऐसे में रेलवे की ओर से पारंपारिक इन कोच को बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. इसी क्रम में अब नागपुर मंडल की गाड़ियों में भी बदलाव किया जा रहा है. इस महीने की बात करें तो दपूम रेलवे नागपुर मंडल की 3 एक्सप्रेस गाड़ी जिसमें शिवनाथ एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस व जनशताब्दी एक्सप्रेस के कोच में बदलाव किया जा रहा है.

इन गाड़ियों में योजनाबद्ध तरीके से पुराने पारंपरिक कोच के बदले सुविधाजनक, आरामदायक और ज्यादा सुरक्षित नई तकनीक वाले एलएचबी कोच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. दपूम रेलवे नागपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने कहा कि एलएचबी कोच यात्रियों के लिए काफी आरामदायक व सुविधायुक्त होता है. रेल परिचालन की दृष्टि से एलएचबी कोच काफी सुरक्षित भी है, जो सामान्य कोचों की अधिकतम गति 110-130 कि.मी. की तुलना में 160 से भी अधिक की गति के लिए डिजाइन की गई है. आईसीएफ़ कोच की तुलना में एलएचबी कोच में बर्थ की संख्या भी अधिक होती है. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा अब स्लीपर कोच के यात्रियों के सुविधा में विस्तार करते हुए स्थायी रूप से अब शिवनाथ, इंटरसिटी तथा जनशताब्दी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच जोड़ा जा रहा है.

इस तरह होगा बदलाव

14 अप्रैल से गाड़ी संख्या 12855 बिलासपुर-इतवारी इंटर सिटी एक्सप्रेस तथा 18239/18240 शिवनाथ एक्सप्रेस में एवं 15 अप्रैल से गाड़ी संख्या 12856 इतवारी-बिलासपुर इंटर सिटी एक्सप्रेस एक अतिरिक्त स्लीपर कोच सहित कुल 22 एलएचबी कोच (01 जनरेटर/लगेज वन, 01 एसएलआर, 04 सामान्य, 07 स्लीपर, 05 एसी थ्री, 01 एसी थ्री इकॉनामी, 02 एसी-टू ,01 फर्स्ट एसी श्रेणी) की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है . गाड़ी क्र . 2070 गोंदिया-रायगढ़ जनशताब्दी एक्सप्रेस में 13 अप्रैल तथा गाड़ी क्र . 12069 रायगढ़-गोंदिया जनशताब्दी एक्सप्रेस में 14 अप्रैल से एक अतिरिक्त नॉन एसी चेयर कार सहित कुल 19 कोच (01 जनरेटर/लगेज वन, 01 एसएलआर, 14 नॉन एसी चेयर कार सामान्य, 03 एसी चेयर कार) की सुविधा प्रदान की जा रही है .

हरियाणा के कबड्डी प्लेयर को 22 लाख मिले ऑक्शन से पहले ही कॉन्ट्रैक्ट साइन किया

दीपक हुड्डा को ट्रेंड करने वाले कोच ने निखारा

झज्जर . हरियाणा में झज्जर के रहने वाले कबड्डी प्लेयर पुनीत कादियान को बंगाल की टीम ने 22 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है.वह प्रो-कबड्डी लीग में बंगाल वॉरियर्स की टीम से रेडर के तौर पर खेलेंगे.उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल का होगा.पुनीत के कोच वही हैं, जिन्होंने इंडियन कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन दीपक हुड्डा को ट्रेंड किया था.पुनीत बाहर की बनी कोई चीज नहीं खाते, बल्कि घर के घी से बना खाना खाते हैं.पुनीत ज्यादातर काम लेफ्ट हेंड से करते हैं, इसलिए उन्हें लेफ्टी रेडर कहा जाता है।

माता-पिता की इकलौती संतान : पुनीत झज्जर जिले के गांव दूबलधन का रहने वाले हैं.उनके पिता नसीब कादियान खेतीबाड़ी करते हैं, जबकि मां पूनम देवी हाउस वाइफ हैं.पुनीत का जन्म 10 मई 2006 को हुआ.वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं.पुनीत ने 6वीं कक्षा तक की पढ़ाई गांव में ही रहकर की.इसके बाद 7वीं से 12वीं तक की पढ़ाई मामा के पास सोनीपत में पूरी की.इस वक्त वह पंजाब के तलवंडी साबो की गुरु कांशी यूनिवर्सिटी से बीए फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहे हैं।

पुनीत का हुनर देख मामा साथ ले गए : पुनीत जब 6वीं क्लास में पढ़ रहे थे तो उनकी फिजिकल एक्टिविटी और हुनर देख मामा जगमाल नरवाल को लगा कि वह कबड्डी का अच्छा प्लेयर बन सकता है.इसलिए, वह पुनीत को अपने साथ सोनीपत के गांव रिढ़ाना में ले आए.यहां पुनीत ने पढ़ाई की और साथ में कबड्डी भी खेलते रहे।

8 घंटे प्रैक्टिस की, लीग तक पहुंचाया : पुनीत पढ़ाई में ठीक थे.उनके मामा व कोच जगमाल नरवाल ने उन्हें अच्छा प्लेयर बनाने के लिए खूब मेहनत कराई.जगमाल नरवाल खुद भी ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी लेवल तक कबड्डी खेल चुके हैं.उनकी देखरेख में पुनीत दिन में 8 घंटे कबड्डी की प्रैक्टिस करते थे.इससे पहले उन्होंने दीपक हुड्डा और अपने छोटे भाई सतपाल को भी तैयार किया था.सतपाल ने 3 साल दिल्ली की टीम से खेला.पुनीत के मामा ने कबड्डी प्रेम की वजह से शादी भी नहीं की.उनकी रेलवे में नौकरी लगी थी, लेकिन उसे भी जॉइन नहीं किया था।

पुनीत लेफ्टी, इसलिए रेडर के तौर पर मजबूत

कोच जगमाल नरवाल बताते हैं कि पुनीत लेफ्टी है .यानी वह ज्यादातर काम बाएं हाथ से करता है .आम तौर पर कबड्डी प्लेयर का लेफ्ट कॉर्नर कमजोर रहता है .चूंकि, पुनीत लेफ्ट में स्ट्रॉन्ग था तो इस वजह से वह रेडर के तौर पर मजबूत निकला .इसके बाद उसे इसी तरह से ट्रेंड किया गया।

क्रिकेट में अजूबा !

Pakistan का 12वें नंबर का बल्लेबाज

नई दिल्ली.हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में पाकिस्तान की न्यूजीलैंड से 84 रन से हार के बावजूद सुफियान मुकीम ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया.इस मैच में न्यूजीलैंड ने जीत के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की.मैच में सुफियाना मुकीम ने 10 ओवर में 2 विकेट लिए.इस दौरान उन्होंने 33 रन लुटाए.वहीं, नंबर-12 पर बैटिंग करते हुए उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल की।

दरअसल, पाकिस्तान के सुफियान मुकीम ने 2 अप्रैल को न्यूजीलैंड के खिलाफ हेमिल्टन के सेड्डन पार्क में खेले गए दूसरे वनडे में गजब रिकॉर्ड बना दिया.मुकीम नंबर 12 पर बल्लेबाजी करने उतरे मुकीम ने 10 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 13 रन की पारी खेली.यह वनडे इतिहास में नंबर 12 पर बल्लेबाजी करने उतरे किसी भी बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी पारी है. कुल मिलाकर, मुकीम खेल के तीनों प्रारूपों में 12वें नंबर पर खेलने वाले केवल 10वें खिलाड़ी हैं.25 साल के सुफियाना 12वें नंबर

पर बैटिंग करते हुए 10 से अधिक रन बनाने वाले तीनों फॉर्मेट को मिलाकर पहले खिलाड़ी भी बने.बता दें कि इस मैच में पाकिस्तान के लिए नंबर 9 पर बल्लेबाजी करने के लिए हारिस रऊफ उतरे थे.विलियम ओ'रूर्के द्वारा डाले गए पारी के 25वें ओवर की चौथी गेंद रऊफ के हेलमेट पर जाकर लगी.इसके बाद रऊफ रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे और उनकी जगह कन्कशन सब्सीट्यूट के तौर पर आकिफ जावेद मैदान पर आए.हालांकि जावेद 8 रन बनाकर आउट हो गए.इसके चलते प्लेइंग इलेवन में पहले से मुकीम नंबर 12 पर बल्लेबाजी करने आए।

भुवनेश्वर ने GT Vs RCB मैच में रचा इतिहास

ब्रावो के IPL रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को आईपीएल 2025 की पहली हार का सामना करना पड़ा.बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (GT) से आठ विकेट से मैच हार गए।

आरसीबी की टीम के बल्लेबाजों का फ्लॉप प्रदर्शन रहा, जो गुजरात टीम के गेंदबाजी का सामना करने में नाकाम रहे.इस मैच में आरसीबी की टीम ने 20 ओवरों में 169/8 का स्कोर खड़ा किया.इसके जवाब में जोस बटलर के 73 रन और साई सुदर्शन के 49 रन, रदरफोर्ड के नाबाद 30 रन की बदौलत लक्ष्य 17.5 ओवर में हासिल किया.इस मैच में आरसीबी की टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने एक विकेट लेते ही बड़ा मुकाम हासिल किया.उन्होंने

ड्वेन ब्रावो के रिकॉर्ड की बराबरी की।

IPL में हासिल किया बड़ा मुकाम

दरअसल, आरसीबी की टीम ने छोटा स्कोर खड़ा किया था, जिसके बाद गेंदबाजों से उम्मीद थी कि वह शानदार प्रदर्शन करें, लेकिन जोस बटलर के 73 रन और साई सुदर्शन के 49 रन की बदौलत गुजरात ने मैच जीत लिया.आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार का प्रदर्शन अच्छा रहा, जिन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 23 रन दिए और शुभमन गिल का बड़ा विकेट लिया.इस विकेट के साथ ही भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया.वह आईपीएल में तेज

IPL में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

1. युजवेंद्र चहल (206 विकेट)
2. पीयूष चावला (192 विकेट)
3. ड्वेन ब्रावो (183 विकेट)
4. भुवनेश्वर कुमार (183 विकेट)
5. आर अश्विन (183 विकेट

गेंदबाजों के बीच संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए.यह रिकॉर्ड पहले ड्वेन ब्रावो के नाम था, जिन्होंने 167 मैचों में 183 विकेट लिए थे, जबकि भुवी ने 178 मैचों में ब्रावो की बराबरी कर ली.बता दें कि भुवी को आईपीएल 2025 के शुरुआती मैच में मौका नहीं मिला था.हालांकि तेज गेंदबाज ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पिछले सीजन भी कमाल किया था.इसके बाद से भुवी लगातार आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं.

ऑरेंज कैप से सिर्फ 3 कदम दूर हैं साई सुदर्शन

▮ जोस बटलर भी रेस में ▮ पर्पल कैप पर नूर अहमद का कब्जा

नई दिल्ली .आईपीएल 2025 का रोमांच अपने चरम पर है. 18वें सीजन में अब तक 14 मुकाबले खेले जा चुके हैं. इस दौरान पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स, दो ही ऐसी टीमें हैं, जिन्हें हार का सामना नहीं करना पड़ा है. आईपीएल में जहां 10 टीमें ट्रॉफी के लिए लड़ रही हैं. वहीं बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच पर्पल कैप और ऑरेंज कैप जीतने को लेकर भी होड़ मची रहती है. आईपीएल 2025 में 14 मैच के बाद तक पर्पल और ऑरेंज कैप पर किन खिलाड़ियों का कब्जा है.

पर्पल कैप पर नूर अहमद का कब्जा : पर्पल कैप के लिए दिल्ली कैपिटल्स के मिचेल स्टार्क और चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद के बीच दिलचस्प जंग देखने को मिल रही है. स्टार्क ने दो मैचों में 8 विकेट लिए हैं. वहीं नूर अहमद के नाम तीन मैचों में 9 विकेट हैं. स्टार्क ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पांच विकेट झटके थे. इन दोनों के अलावा बाकी गेंदबाज काफी पीछे हैं. तीसरे नंबर पर मौजूद आरसीबी के जोश हेजलवुड के नाम तीन मैचों में छह विकेट हैं. गुजरात टाइटंस के साई किशोर, चेन्नई सुपर किंग्स के खलील अहमद और लखनऊ सुपर जायंट्स के शार्दुल ठाकुर के नाम भी 6-6 विकेट हैं.

ऑरेंज कैप की रेस में शामिल ये 3 बल्लेबाज

1- लखनऊ सुपर जायंट्स के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन के नाम ऑरेंज कैप है . वह अभी तक आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं . पूरन के नाम तीन मैचों में 63 की औसत से 189 रन हैं . उन्होंने अब तक 17 चौके और 15 छक्के जड़े हैं .

2- गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन दूसरे नंबर पर हैं . वह पूरन से सिर्फ तीन रन पीछे हैं . सुदर्शन के नाम तीन मैचों में 62 की औसत से 186 रन हैं . उन्होंने 16 चौके और 9 छक्के लगाए हैं .

3- गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे जोस बटलर भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल हैं . बटलर के नाम तीन मैचों में 83 की औसत से 166 रन हैं . बटलर ने 14 चौके और 9 छक्के लगाए हैं .

बल्लेबाजों में खोज लिया है राशिद खान का तोड़?

अफगानी पठान का निकल रहा कचूमर

नई दिल्ली: राशिद खान टी20 इतिहास के सबसे गेंदबाज हैं.उनके खिलाफ बल्लेबाजों रन बनाने में हमेशा परेशानी होती है.राशिद दुनिया की लगभग हर लीग में हिस्सा लेते हैं और उनकी गेंदबाजी का जलवा भी देखने को मिलता है.वह आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे हैं.मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी ने राशिद को रिटेन किया था.उन्हें शुभमन गिल से भी ज्यादा पैसे मिल रहे हैं.लेकिन राशिद खान का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है। राशिद खान के लिए आईपीएल 2025 की शुरुआत बेहद साधारण शुरुआत रही है.पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले मैच में उन्होंने 48 रन खर्च किए थे.4 ओवर के स्पेल में

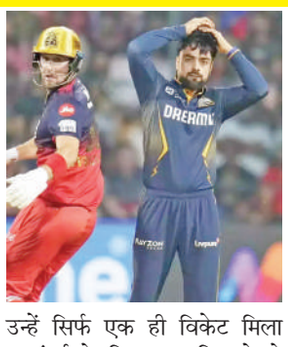

उन्हें सिर्फ एक ही विकेट मिला था.मुंबई के खिलाफ राशिद ने दो ओवर डाले औऱ 10 रन दिए.आई-पीएल इतिहास में पहला मौका था जब राशिद ने अपना स्पेल पूरा किया.आरसीबी के खिलाफ मैच में तो राशिद ने चार ओवर में 54 रन खर्च कर दिए।

2024 सीजन के पहले हुए थे चोटिल

राशिद खान आईपीएल 2024 से पहले राशिद खान के कंधे की सर्जरी हुई थी .तभी से राशिद का लीग में ग्राफ गिर रहा है .इस सीजन राशिद अभी तक 11 से ज्यादा की इकोनॉमी से रन दे रहे हैं .इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन स्पिन के अच्छे बल्लेबाज नहीं हैं .इसके बाद भी राशिद के खिलाफ उन्होंने 5 छक्के मारे .इस मैच से पहले लिविंगस्टोन 27 रन बनाने रन बनाने में 3 बार आउट हुए थे .राशिद से कहीं कम अनुभवी साई किशोर ने 4 ओवर में सिर्फ 22 रन दिए और जितेश शर्मा के साथ क्रुणाल पंड्या को आउट भी किया

हर सीजन के साथ गिर रहा प्रदर्शन : राशिद खान ने 2017 में आईपीएल डेब्यू किया था.

7 मैच 444 रन, 4 फिफ्टी और एक शतक...

RCB के सामने भी दिखा जलवा | 8.5 करोड़ वाले साई सुदर्शन बने रन मशीन

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 के 14वें मैच में गुजरात टाइटन्स की टीम ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को 8 विकेट से हराया. इस मैच के हीरो साई सुदर्शन और जोश बटलर रहे. जोश बटलर नाबाद रहे और उन्होंने 73 रनों की पारी खेली. लेकिन साई सुदर्शन ने गुजरात का मोमेंट सेट किया और 49 रनों की पारी खेली. लेकिन साई सुदर्शन आईपीएल में लगातार अपना जलवा बिखेर रहे हैं.

पिछली 7 पारियों पर डालें नजर

साई सुदर्शन की पिछली सात आईपीएल पारियों पर अगर नजर डालेंगे तो उन्होंने इसमें एक शतक जड़ा और 4 फिफ्टी लगाई है. जबकि एक बार वो फिफ्टी से चूके हैं. यानी सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब साई 10 से कम स्कोर पर आउट हुए हैं. 7 पारियों में साई सुदर्शन ने 444 रन बनाए हैं. यानी साई ने 8.5 करोड़ की

कीमत में आईपीएल में वो कमाल किया है, जो मोटी-मोटी रकम में भी बड़े क्रिकेट के सितारे नहीं कर सके हैं.

इस सीजन दूसरे नंबर पर साई सुदर्शन

इस सीजन आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो साई सुदर्शन दूसरे नंबर पर हैं. पहले नंबर पर लखनऊ के निकोलस पूरन हैं. जिन्होंने 3 मैच में अबतक 189 रन बनाए हैं. जिसमें दो फिफ्टी जड़ी है. वहीं साई सुदर्शन ने 3 मैच में 186 रन बनाए हैं. तीसरे नंबर पर जोश बटलर हैं जिन्होंने 166 रन बनाए हैं. गुजरात की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए थे. 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम ने 17.5 ओवर में ही इसे चेज कर लिया.

ऐसी रही गुजरात की बल्लेबाजी

170 रनों के जवाब में उतरी गुजरात की शुरुआत काफी शानदार रही. गिल और साई सुदर्शन ने ठोस शुरुआत दिलाई. हालांकि, गिल 14 रन बनाकर आउट हो गए. लेकिन इसके बाद साई सुदर्शन और जोश बटलर ने मोर्चा संभाला. साई सुदर्शन 49 रन बनाकर आउट हुए लेकिन उन्होंने मोमेंटम गुजरात की ओर शिफ्ट कर दिया. इसके बाद बटलर ने शानदार फिफ्टी जड़ी. बटलर ने नाबाद 73 रनों की पारी खेली और 18वें ओवर में ही गुजरात ने ये मैच जीत लिया.

आरसीबी बिना बदलाव के मैदान पर उतरी थी.

ऐसे रही आरसीबी की बल्लेबाजी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही. दूसरे ही ओवर में आरसीबी को विराट कोहली के रूप में पहला झटका लगा.कोहली केवल 7 रन बनाकर अरशद खान का शिकार हुए. इसके बाद तीसरे ही ओवर में देवदत्त पडिक्कल को सिराज ने बोल्ड किया. फिर 5वें ओवर में खतरनाक दिख रहे फिल सॉल्ट को सिराज ने आउट किया. 7वें ओवर में कप्तान रजत पाटीदार को ईशांत ने अपना शिकार बनाया. इसके बाद जितेश शर्मा ने मोर्चा संभाला और 33 रनों की पारी खेली. लेकिन वो भी 13वें ओवर में आउट हो गए. लेकिन इसके बाद लिविंगस्टन ने तूफानी पारी खेली और अर्धशतक जड़ा. वहीं, टिम डेविड ने भी शानदार बल्लेबाजी की. इसके दम पर आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 170 रन बनाए.

3 विकेट लेकर रगड़ा... | गुजरात टाइटन्स के लिए बने X फैक्टर

'ठुकराए' सिराज का रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से इंतकाम

नई दिल्ली .बात मोहम्मद सिराज की, जो 2 अप्रैल 2025 को IPL मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलने उतरे, मैच में सिराज के इमोशन अलग थे, क्योंकि वो उस टीम के खिलाफ खेल रहे थे, जिसका वो कभी अहम हिस्सा थे. कोहली के सामने पहला ओवर फेंकने उतरे तो आधे रनअप पर रुके, फिर दोबारा कोशिश की. खैर मुश्किल तो होता है, उस टीम के खिलाफ खेलना जो आपके दिल के करीब रही हो, जिसे आपने बेइंतहा चाहा हो. वो पुरानी टीम जो आपके दिल में आज भी बसती है. लेकिन वो कहते है ना, जब ऐसा किसी ऐसे के खिलाफ रण में, मैदान में, या प्यार में उतरें, तो फिर चीजें अलग हो जाती है. उसका अहसास भी अलग होता है. RCB के खिलाफ मैच जीतकर सिराज का अहसास अलग था, इमोशन भी अलग था. सिराज के RCB के खिलाफ खेलने की बात करेंगे, लेकिन साल 2017 में आई हिंदी फिल्म 'शादी में जरूर आना' के एक

गाने का हिस्सा याद आ रहा है. गाने के एक हिस्से की कुछ लाइनें हूबहू तो नहीं, लेकिन वो कहीं ना कही सिराज की मौजूदा परिस्थिति से मेल खाती तो दिखी. राजकुमार राव और कृति खरबंदा पर आधारित उस फिल्म में गाने का एक हिस्सा है...

मोहम्मद सिराज के साथ जो आईपीएल 2025 की नीलामी में जो RCB ने किया, या मजबूरीवश किया (संभवतः टीम कॉम्बिनेशन के लिहाज से), वो कुछ हद तक उपरोक्त गाने की आखिरी लाइन (ठुकराकर मेरा प्यार, मेरा इंतकाम देखेगी) से मेल (मैच) करता हुआ तो नजर आया.

सिराज अपनी पुरानी टीम RCB (पुराना प्यार समझें) के खिलाफ 2 अप्रैल 2025 को पहली बार इस सीजन में खेलने उतरे, लेकिन उसके बाद उन्होंने अपनी गेंदबाजी से जो इंतकाम लिया, उसे RCB लम्बे अर्से तक नहीं भूल पाएगी. क्योंकि यह गुजरात टाइटन्स के मोहम्मद सिराज का बॉलिंग स्पेल ही था, जिससे RCB को संभलने का मौका नहीं मिला. सिराज ने अपने बॉलिंग स्पेल में पहले देवदत्त पडिक्कल (4) और फिर फिल सॉल्ट (14) को आउट कर ऐसा झटका दिया कि पूरे मैच में RCB को संभलने का मौका नहीं मिला. सिराज ने इसके बाद RCB के हाइएस्ट स्कोरर रहे लियाम लिविंगस्टोन (54) को भी निपटा दिया.

इस तरह उनका बॉलिंग का आंकड़ा 4-0-19-3 का रहा. सिराज की इस कातिलाना गेंदबाजी की वजह से ही RCB की टीम 169/8 जैसे-तैसे बना पाई. वह इस कमाल की गेंदबाजी की वजह से 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे. बाद में रनचेज के दौरान गुजरात की ओर से साई सुदर्शन (49) जोस बटलर (73 नाबाद) और उसके बाद शेरफेन रदरफोर्ड (30 नाबाद) की पारी की बदौलत मैच जीत लिया.

विराट कोहली से एक अलग ही बॉन्डिंग

मैच के बाद सिराज ने कुछ ऐसा बोला जो शायद RCB के फैन्स को भी इमोशनल कर देगा . सिराज बोले- मैं थोड़ा इमोशनल हो गया था, सात साल बाद मैंने अपनी जर्सी रेड से ब्लू कर ली, लेकिन एक बार जब गेंद मेरे हाथ में आ गई, तो मैं ठीक था . यानी मन ही मन सिराज के अब भी RCB बसती है, यह बात तो तय है . सिराज ने आईपीएल में डेब्यू 2017 में सनराजर्स हैदराबाद (SRH) के लिए किया, लेकिन इसके बाद वो 2018 से 2024 तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेले . पर 2025 में उनको RCB ने रिटेन नहीं किया . RCB में खेलने के दौरान उनकी विराट कोहली से एक अलग ही बॉन्डिंग बन गई थी . जो साफ तौर पर दिखती थी . कोहली ने भी कई मौकों पर मियां मैजिक सिराज का सपोर्ट किया था, यह बात भी किसी से छिपी नहीं . वहीं खुद सिराज ने भी इसे जाहिर किया था

लगातार 4 छक्के लगाकर ब्रेथवेट ने इंग्लैंड के हाथों से छीना था वर्ल्डकप

नई दिल्ली . कार्लोस ब्रेथवेट के वो 4 छक्के आपको याद होंगे, जो उन्होंने बेन स्टोक्स की गेंदों पर लगाकर इंग्लैंड के हाथों से वर्ल्ड कप छीना था. इंग्लैंड जीत की दहलीज पर आ गई थी, उन्हें एक ओवर में 19 रन बचाने थे लेकिन ब्रेथवेट उस दिन अलग ही मूड में थे. ये मैच आज ही के दिन (3 अप्रैल) 2016 में हुआ था. इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ प्लेयर विराट कोहली को चुना गया था. वेस्टइंडीज को जीत के लिए आखिरी ओवर में 19 रन चाहिए थे, जो आसान नहीं थे. टीम के 6 विकेट गिर चुके थे और ओवर डाल रहे थे बेन स्टोक्स. उन्होंने पहली गेंद लेग स्टंप की तरफ हाफ वॉली डाली, जिसे कार्लोस ब्रेथवेट ने बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ छक्के के लिए मारा. इसके बाद उन्होंने दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर लगातार छक्के मारकर 2 गेंद रहते ही टीम को जीत दिला दी.

वेस्टइंडीज ने रचा था इतिहास : ये वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम का दूसरा टी20 वर्ल्ड कप ख़िताब था. वह दो टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनी थी. हालांकि इसके बाद इंग्लैंड और भारतीय क्रिकेट टीम भी ऐसा कर चुकी है. रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने हाल ही में अपना दूसरा वर्ल्ड कप खिताब जीता था. इससे पहले भारत ने 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में पहला संस्करण जीता था.

विराट कोहली बने थे टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ प्लेयर

वेस्टइंडीज टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनी थी . टीम ने भारत को सेमीफाइनल में हराकर बाहर किया था . हालांकि टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ प्लेयर के रूप में विराट कोहली को चुना गया . कोहली टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज थे . उन्होंने 5 पारियों में 273 रन बनाए थे . कोहली ने एक विकेट भी हासिल किया था . सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में पहले नंबर पर बांग्लादेश के तमीम इकबाल थे, जिन्होंने 295 रन बनाए थे .